बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

गाजियाबाद में मात्र रू0 6.5 लाख (छः लाख पचास हजार) में मकान खरीदने हेतु सम्पर्क करें

मो0 9868944025

लोन सुविधा उपलब्ध है

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 167 | शुक्रवार 6 अक्टूबर 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

नीतीश सरकार के बाद अब कांग्रेस की बारी, सीडब्ल्यूसी बुलाकर लेगी जातिगत जनगणना पर बड़ा फैसला

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में भाजपा के मुकाबले कांग्रेस को जातीय जनगणना के नाम पर एक हथियार मिलता दिख रहा है। इसी को धार देने के लिए पार्टी ने अब कार्यसमिति की बैठक बुलाने का फैसला लिया है। सूत्रों के मुताबिक अगले सप्ताह यह मीटिंग होगी और इसमें जातीय जनगणना के मुद्दे पर कैसे आगे बढ़ा जाए, इस पर चर्चा होगी। पार्टी नेताओं के मुताबिक हाईकमान को लगता है कि यह मसला उसे कई राज्यों में उत्तर से दक्षिण तक लोकसभा इलेक्शन में संजीवनी प्रदान कर सकता है। राहुल गांधी तो लगातार मांग कर ही रहे हैं कि देश भर में जातीय जनगणना हो ताकि कमजोर तबके के लिए योजनाएं बनाई जा सकें, जिससे उन्हें फायदा हो।

माना जा रहा है कि इस मीटिंग में कांग्रेस इसे लेकर कुछ प्रस्ताव भी पारित कर सकती है। इसमें से एक प्रस्ताव यह भी हो सकता है कि आबादी के अनुपात में अब आरक्षण पर विचार किया जाए। इसके अलावा महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा चुनावों में मिलने वाले 33 फीसदी आरक्षण में भी ओबीसी कोटा अलग से रखा जाए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी इसे लेकर

कांग्रेस भी अब जातिगत सर्वे को अपने लिए हथियार के तौर पर देख रही है। इसी को और धार देने के लिए उसने कार्यसमिति की मीटिंग बुलाई है, जिसमें कई बड़े फैसले हो सकते हैं। इसकी शुरुआत कर्नाटक से होगी।

उत्साहित हैं और देश भर में जातीय जनगणना चाहते हैं। भले ही यूपी और बिहार में इसका फायदा सपा, आरजेडी और जेडीयू जैसे दलों को मिले, लेकिन कांग्रेस को लगता है कि राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों में उसे फायदा मिलेगा।

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के बाद कर्नाटक में जातीय सर्वे के आंकड़े भी जारी किए जा सकते हैं। अब तक कई राज्यों में ऐसी मांग उठा चुकी कांग्रेस पर खुद दबाव है कि वह कर्नाटक के आंकड़े जारी करे। 2015 में ही पहले वाली सिद्धारमैया सरकार ने एक समिति का गठन किया था। उसे जातीय गणना का काम सौंपा गया और 170 करोड़ रुपये का बजट भी तय हुआ था। अब तक यह आंकड़ा जारी नहीं हुआ है, जिसे भाजपा समेत कई लोग जारी करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि कर्नाटक में कांग्रेस के लिए जातीय जनगणना परेशानी भी बन सकती है। इसकी वजह यह है कि आमतौर पर भाजपा के साथ जाने वाले लिंगायतों की आबादी काफी अधिक है और वे कांग्रेस से नाराज चल रहे हैं।

कर्नाटक से पहल करेगी कांग्रेस, फिर दूसरे राज्यों में जाने की तैयारी

कांग्रेस के सीनियर नेता बीके हरिप्रसाद भी मांग कर चुके हैं कि बिहार की तर्ज पर ही कर्नाटक में जातीय जनगणा के आंकड़े जारी किए जाएं। उनका कहना है कि जातीय सर्वे की मांग लंबे समय से हो रही है और इससे उन जातियों के लिए योजनाओं को तैयार करने में मदद मिलेगी, जिन्हें वास्तव में मदद की दरकार है। अब जब राहुल गांधी भी इसके पक्षधर हो गए हैं तो उम्मीद की जा रही है कि कांग्रेस कर्नाटक से ही इसकी शुरुआत कर सकती है। यही नहीं छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में इसे चुनावी घोषणा पत्र में भी शामिल किया जा सकता है।

एनसीआर में पांच हजार से ज्यादा अवैध निर्माण, सर्वे रिपोर्ट ने चौंकाया

गाजियाबाद। गाजियाबाद के वसुंधरा में पांच हजार से अधिक अवैध निर्माण हैं। इसका खुलासा आवास विकास परिषद के सर्वे में हुआ। रिपोर्ट शासन को भी भेजी गई, लेकिन अभी तक नक्शे के विपरीत अवैध निर्माण के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। आवास विकास परिषद ने 90 के दशक में वसुंधरा योजना को विकसित किया था। यहां ग्रुप हाउसिंग, एकल भवन निर्माण और भूखंड की बिक्री की गई। दिल्ली, नोएडा के पास होने के कारण यहां हर कोई घर लेना चाहता था, ऐसे में देखते दी देखते करीब दस वर्षों में यहां इमारतों का जाल बिछ गया। साथ ही इस योजना में घर की मांग को देखते हुए यहां बिल्डरों ने भी अपने फायदे के अनुसार स्वीकृति मानचित्र के विपरीत इमारतें तैयार कर दी। यहां एकल यूनिट पर कई मंजिला इमारत बन गई, जिन्हें बेचकर बिल्डरों ने काफी मुनाफा कमाया। अब तीन दशक बाद आवास आयुक्त के आदेश पर यहां नक्शे के विपरीत हुए निर्माण का खुलासा हुआ है। इसका खुलासा हाल ही में तीन जनपदों से आई अभियंताओं की टीम के सर्वे से हुआ। अभियांताओं की टीम ने जो सर्वे किया, उसमें वसुंधरा योजना में करीब 5500 नक्शे के विपरीत अवैध निर्माण मिले हैं। सूत्र बताते हैं कि इस सर्वे रिपोर्ट में नक्शे के विपरीत, एकल यूनिट पर कई मंजिला इमारत का निर्माण, आवासीय में व्यावसायिक भवन का जिक्र है। जांच रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है। अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई।

अधिकारी भी आ सकते हैं जांच के घेरे में -सर्वे से स्पष्ट है कि वसुंधरा जोन में धड़ल्ले से नक्शे के विपरीत निर्माण हुआ है। ऐसे में आवास विकास के अधिकारियों ने इन पर कोई कार्रवाई भी नहीं की। इसे लेकर भी चर्चा है कि जिन अधिकारियों के कार्यकाल में अवैध निर्माण हुए हैं वह सभी जांच के दायरे में शामिल हो सकते हैं। अवैध निर्माण के बाद अब विभाग में तैनात अधिकारियों का रिकॉर्ड खंगाला जाएगा, जिसके बाद उन सभी से जवाब तलब किया जाएगा।

हर सेक्टर में नक्शे के विपरीत निर्माण किया-सूत्र बताते हैं कि अभियंताओं के सर्वे में स्पष्ट है कि कोई भी सेक्टर ऐसा नहीं है, जहां अवैध निर्माण न हुआ हो। आवास विकास के एकल भवन कई मंजिला बन चुके हैं

एमपी में सरकारी नौकरियों में महिलाओं को अब 35 प्रतिशत आरक्षण

शिवराज ने 'लाडली बहनों' को दिया एक और तोहफा

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले शिवराज सिंह चौहान ने बड़ा दांव चल दिया है। मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए आरक्षण में वृद्धि कर दी गई है। यहां महिलाओं को अब 35 फीसदी आरक्षण मिलेगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह फैसला ऐसे समय पर लिया है जब हाल ही में केंद्र सरकार ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने को लेकर कानून बनाया है। शिवराज सिंह चौहान ने महिला दिवस पर इसको लेकर ऐलान किया था कि महिलाओं के आरक्षण में वृद्धि की जाएगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। राज्य में अब तक महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण प्राप्त था, इसमें अब वृद्धि कर दी गई है। वन विभाग को छोड़कर राज्य सरकार के अधीन जितनी भी नौकरियां हैं उनमें

सीधी भर्ती के पदों पर 35 फीसदी आरक्षण महिलाओं के लिए होगा। मध्य प्रदेश में नवंबर में विधानसभा चुनाव होने जा रहा है। करीब दो दशक से सत्ता में काबिज भारतीय जनता पार्टी को एंटी इनकंबेसी फैक्टर की चिंता सता रही है। ऐसे में एक तरफ जहां टिकट बंटवारे में बड़े फैसले करते हुए दिग्गजों को उतारा गया है तो दूसरी तरफ चुनाव तारीखों के ऐलान से पहले शिवराज सिंह चौहान हर दिन कोई बड़ी घोषणा कर रहे हैं।

लाडली बहनों को खुश करने में जुटे मामा-खुद को मामा कहने वाले शिवराज इन दिनों महिलाओं को खुश करने का हर दांव चल रहे हैं। राज्य में कुल 2 करोड़ 62 लाख महिला वोटर्स हैं यानी कुल मतदाताओं में इनकी हिस्सेदारी 49 फीसदी है। आरक्षण से पहले शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहना योजना की शुरुआत की जिसके जरिए हर महीने उनके अकाउंट में रकम डाली जाती है। 1000 रुपए से इसकी शुरुआत हुई और इसमें वृद्धि की जा रही है। शिवराज सिंह चौहान ने इसे प्रति महीने 3000 रुपए तक ले जाने का वादा किया है।

चुनाव से पहले 10 करोड़ परिवारों पर नजर

कैसे चुपचाप बड़ा लाभार्थी वर्ग तैयार कर रही मोदी सरकार

नई दिल्ली। केंद्र की भाजपा सरकार 2024 के चुनाव से पहले चुपचाप एक बड़ा लाभार्थी वर्ग तैयार करने में जुटी है। एक तरफ मोदी सरकार ने उज्ज्वला स्कीम के तहत एलपीजी सिलेंडर लेने वाले लोगों के लिए 300 रुपये की अतिरिक्त छूट का ऐलान कर दिया है तो वहीं 1 करोड़ स्ट्रीट वेंडर्स को लोन भी बांट रही है। मोदी सरकार की ओर से 3 अक्टूबर को शेयर किए गए डेटा के मुताबिक अब तक पीएम स्वनिधि स्कीम के तहत 50 लाख स्ट्रीट वेंडर्स को लोन बांटे जा चुके हैं। इसके तहत सरकार अधिकतम 50 हजार रुपये तक का लोन बिना किसी गारंटर के दे रही है।

MP में सरकारी नौकरियों में महिलाओं को अब 35 प्रतिशत आरक्षण, शिवराज का फैसला

माना जा रहा है कि इस योजना से सरकार जाति और धर्म से परे एक बड़े तबके को लुभाने की तैयारी में है। इस स्कीम को मोदी सरकार ने कोरोना काल में शुरू किया था और इसके तहत 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता लोन के तौर

पर दी गई थी। अब इसी स्कीम में लोन की रकम को 50 हजार रुपये तक करने का फैसला हुआ है। एक तरफ पीएम स्वनिधि स्कीम के 1 करोड़ लाभार्थी तैयार करने का टारगेट और दूसरी तरफ उज्ज्वला स्कीम के 9.60 करोड़ लोगों को 300 रुपये की अतिरिक्त छूट मिलना एक बड़ा कदम है।

दो ही स्कीमों से 10 करोड़ परिवारों पर है नजर

दरअसल इन्हीं दो स्कीमों के जरिए भाजपा कमजोर तबके में जमीन तैयार करने की कोशिश में है। इन दो स्कीमों से लगभग 10 करोड़ परिवारों को टारगेट करने की कोशिश है। 10 करोड़ परिवार का मतलब हुआ कि सरकार लगभग 50 करोड़ लोगों तक पहुंच बना रही है। वहीं पीएम किसान सम्मान निधि योजना के जरिए वह पहले से ही किसानों को लुभाने की कोशिश में है। यही नहीं चर्चा है कि उस स्कीम के तहत भी किसानों को मिलने वाली रकम को बढ़ाया जा सकता है। फिलहाल इस योजना के तहत साल में 3 बार 2,000 रुपये की रकम किसानों को मिलती है।

पीएम स्वनिधि योजना में कैसे मिल रहे हैं लोन

पीएम स्वनिधि योजना के तहत सरकार 10 हजार, 20 हजार और 50 हजार रुपये के लोन दे रही है। ये लोन रेहड़ी-पटरी पर काम करने वाले लोगों को अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए कैपिटल मनी के तौर पर दिए जा रहे हैं। सरकार ने इस स्कीम में साल के अंत तक 1 करोड़ लोन बांटने का लक्ष्य तय किया है।

ममता बनर्जी के मंत्री रथिन घोष के आवास पर ईडी की छापेमारी

भर्ती घोटाले में हैं आरोपी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज सुबह-सुबह पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री रथिन घोष के आवास पर छापेमारी की है। मध्यमग्राम नगर पालिका में कथित भर्ती घोटाले के सिलसिले में यह छापेमारी की जा रही है। ईडी मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में ममता के मंत्री के घर सहित कोलकाता में 13 स्थानों पर तलाशी ले रही है। आपको बता दें कि रथिन घोष मध्यमग्राम नगर पालिका के अध्यक्ष हैं। उनके खिलाफ सरकारी नौकरियों में अयोग्य उम्मीदवारों की भर्ती घोटाले में शामिल होने का आरोप है। ईडी उन आरोपों की जांच कर रही है जिसमें कहा गया है कि रथिन घोष और उनके सहयोगियों ने नौकरियों के बदले उम्मीदवारों से रिश्वत ली थी। छापेमारी जारी है। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। रथिन घोष पहले मध्यमग्राम नगर निगम के अध्यक्ष थे। फिर उन्होंने 2011 में मध्यमग्राम विधानसभा सीट जीती। 2014 से 2018 के बीच मध्यमग्राम सहित राज्य की विभिन्न नगर पालिकाओं में भर्ती भ्रष्टाचार की शिकायतें आई हैं। नगर पालिकाओं की करीब 1500 रिक्तियां ईडी की जांच के दायरे में हैं। ईडी सूत्रों के मुताबिक, रथिन घोष का नाम अयान शील की कंपनी में ईडी की तलाशी

के बाद सामने आया, जो भर्ती प्रक्रिया में शामिल था। अयान शील फिलहाल हिरासत में हैं। उनके कार्यालय में मिले दस्तावेजों से विभिन्न व्यक्तियों के साथ लेनदेन का पता चलता है।

'आग से खेल रहे हैं राहुल गांधी'

मंत्री रिजिजू ने बताया- जितनी आबादी-उतना हक की मांग भारत को खत्म कर देगी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने बिहार में हुए जातिगत सर्वे को लेकर कहा है कि जिसकी जितनी आबादी, उसका उतना हक होना चाहिए। हालांकि, सांसद राहुल इसपर पिछले कई दिनों से सार्वजनिक तौर पर बोल रहे हैं। राहुल गांधी की इस मांग पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने उनपर हमला बोलते हुए कहा है कि राहुल गांधी आग से खेल रहे हैं।

रिजिजू ने एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा, ÷राहुल गांधी आग से खेल रहे हैं। उनकी जितनी आबादी-उतना हक की मांग भारत को खत्म कर देगी। अरुणाचल प्रदेश, पहाड़ी उत्तर-पूर्वी राज्य, लद्दाख और हजारों छोटे समुदाय जिनकी आबादी कम है, वे हर चीज से वंचित हो जाएंगे। दुर्गम सीमावर्ती क्षेत्रों का कभी विकास नहीं होगा क्योंकि ऊबड़-खाबड़ पहाड़ों और प्रतिकूल क्षेत्रों में बहुत कम लोग रह सकते हैं। भारत के अल्पसंख्यकों को देश निर्माण में कभी अवसर नहीं मिलेगा।

राहुल गांधी की क्या है मांग?

बता दें कि सांसद राहुल गांधी ने बिहार में हुए जातिगत सर्वे को लेकर कहा कि केंद्र सरकार के 90 सचिवों में से सिर्फ तीन ही ओबीसी हैं, जो देश का 5 फीसदी बजट कंट्रोल करते हैं। कांग्रेस नेता ने जोर देते हुए कहा है कि ये बहुद जरूरी है कि भारत के जातिगत आंकड़ों को आना चाहिए। जितनी आबादी उतना हक, हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं।

अपने देश को बंटने नहीं दें, बल्कि एकजुट करें- रिजिजू

राहुल गांधी की इसी मांग को लेकर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने जवाब दिया है। इससे पहले एक ट्वीट में किरेन रिजिजू ने लिखा, याद रखिये, निशाने पर न ब्राह्मण है, न राजपूत है, न दलित है, न पिछड़े है, न सिख है, न मुसलमान है और न ही कोई इसाई है। कुछ नेता लोग केवल सत्ता की भूख में यह सब कर रहे हैं क्योंकि निशाने पर भारत है। आइए अपने देश को बंटने नहीं दें, बल्कि एकजुट करें। राहुल गांधी का मानना है कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को उनकी आबादी के हिसाब से प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। साथ ही वो लगातार देशव्यापी जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं।

शराब घोटाले में सिसोदिया के बाद फंसे संजय, पोस्टर के पीछे क्या है बीजेपी का प्लान

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद जहां उनकी पार्टी आगबबूला है तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को दिल्ली के सत्ताधारी दल पर आक्रामक होने का मौका मिल गया है। शराब घोटाले में मनीष सिसोदिया के बाद संजय सिंह की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा ने तंज कसते हुए एक फिल्मी पोस्टर भी जारी किया है, जिसमें नेताओं को सलाखों के पीछे दिखाया गया है।

दिल्ली भाजपा ने गुरुवार सुबह अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्टर जारी किया किया, जिसे गोविंदा और संजय दत्त की फिल्म 'दो कैदी' के तर्ज पर डिजाइन किया गया है। गोविंदा और संजय दत्त की तरह भाजपा के पोस्टर में सलाखों के पीछे मनीष सिसोदिया और संजय सिंह दिख रहे हैं। पोस्टर पर लिखा है, दो कैदी, अब तिहाड़ के थियेटर में। पोस्टर में ऊपर लिखा है, भ्रष्ट AAP in association with Sharab Ghotala Presents'

दरअसल, संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद बीजेपी की कोशिश है कि इस मौके का इस्तेमाल आप की साख को चोट करके फायदा उठाया जाए। एक दशक पहले भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन

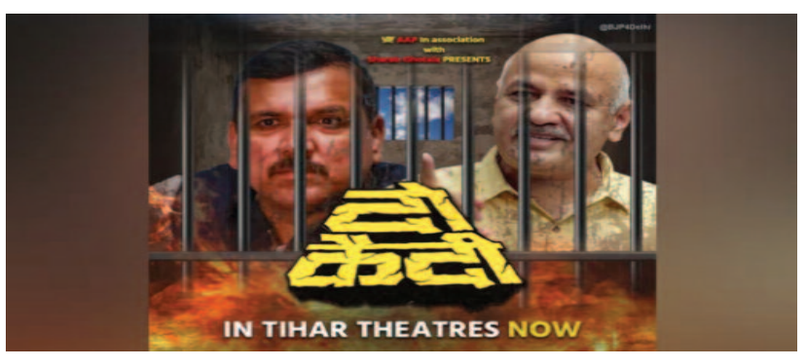

की कोख से जन्मी 'आप' के संयोजक अरविंद केजरीवाल अपनी पार्टी को देश की सबसे ईमानदार पार्टी बताते हैं। ईमानदारी की छवि आप' की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत है, जिस पर चोट करके भाजपा उसे कमजोर करने की कोशिश कर रही है। यही वजह है कि केजरीवाल सरकार पर लगने वाले भ्रष्टाचार के आरोपों को भाजपा पूरे दमखम से उठाती है। हालांकि, आम आदमी पार्टी परसेप्शन की इस लड़ाई में जनता के सामने खुद को बदले की राजनीति का शिकार बताते हुए विक्टिम कार्ड खेलने की कोशिश कर रही है।

आप के विधायक दिलीप पांडे ने भाजपा के पोस्टर पर पलटवार करते हुए कहा, %भाजपा ने सुचिता की राजनीति बहुत पहले छोड़ दी है। अहंकार और बदले की राजनीति, एकमात्र लकीर पर भाजपा चल रही है। दिल्ली की जनता भाजपा के कृत्य को अच्छे से जान गई है। अब जो भाजपा कर रही है, सफेद छूठ बोलना, मनगढ़त आरोप लगाना, उसे सिर्फ दिल्ली नहीं पूरी देश की जनता देख रही है। 8 घंटे की रेड मारी संजय सिंह के घर पर और कुछ नहीं मिला, फिर भी उन्हें जबरन गिरफ्तार किया गया। भाजपा समझ नहीं पा रही है, देश के सामने भाजपा की नफरत की राजनीति एक्सपोज हो चुकी है।

देश में कब रुकेगीं दरिंदगी की वारदातें ?

नरेन्द्र भारती

केन्द्र सरकार को भी इन हादसों पर बिना समय गंवाए इन दुष्कर्मो को रोकने के लिए कारगर कदम उठाने चाहिए ताकि देश में ऐसी वारदातों की पुनरावृति न हो सके । इनका नामोनिशन मिटाना होगा। तभी बहु-बेटियों बेखौफ होकर घूम सकती है ।इन बलातकारियों को सजा ए मौत से ही दुष्कर्मो पर लगाम लग सकती है।वक्त अभी संभलने का है अगर अब भी दुष्कर्म के इन मामलों को अनदेखा किया तो ऐसे दरिदें हर गली व चैराहे पर दरिदगी को अंजाम देते रहेगें।ऐसे दरिदों को सरेआम फांसी देनी चाहिए।तभी यह अपराध रुक सकते हैं। अगर सरकारों ने अब भी लापरवाही बरती तो हर रोज यह सिलसिला जारी रहेगा तथा चारों तरफ अराजकता फैलेगी ।

अपराध की तारीख बदली ,मगर तस्वीर नहीं बदली, प्रतिदिन दरिंदे सरेआम दरिन्दगी कर रहे हैं ऐसे दुष्कर्म करने वालों को फांसी पर लटकाना चाहिए ताजा घटनाक्रम में मध्यप्रदेश के उज्जैन मे 25सितम्बर 2023 को एक आटो चालक ने एक आठवीं में पढ़ने वाली नाबालिग स्कूली लड़की से दुष्कर्म किया और भाग गया दरिंदे को गिरफ्तार कर लिया है और 7दिन की न्यायीक हिरासत में डाल दिया है दुष्कर्म की जघन्य घटना से हर भारतीय उद्वेलित हुआ है ।यह बच्ची आठवीं में पढ़ती है। मासूम से हुई दरिदगी व हैवानियत की यह घटना बहुत ही दिल दहलाने वाली है दरिदों ने जिस बर्बरता व हैवानियित से घटना को अंजाम दिया है उससे रौगटे खडे हो जाते है। दरिदों ने दरिदंगी की हदे पार कर दी है। दरिदगी की शिकार बच्ची का अस्पताल में इलाज चल रहा है तथा हालत में सुधार हो रहा है। अब समय आ गया है कि दरिदों को फांसी की सजा से ही इन मामलों पर विराम लग सकता है।27 जून 2018को मंदसौर में भी एक सात साल की नाबालिग स्कली बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म की जघन्य घटना से हर भारतीय उद्वेलित हुआ था ।यह बच्ची तीसरी में पढ़ती है।दुष्कर्म करने वाले दरिदों को पुलिस से गिरफतार कर लिया था । वर्ष 2023 मे भी देश के हर राज्य में इन मामलों में बेतहासा वृद्धि होती जा रही है।सरकार को इन मामलों पर त्वरित कारवाई करनी होगी।हर रोज दरिदें दरिदगी का तमाशा कर रहे है देश में दुष्कर्म के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है।इससे पहले कठुआ में भी एक बच्ची के साथ दरिदगी का मामला प्रकाश में आया था। प्रतिदिन इन अपराधों में इजॉफा होता जा रहा है देश में दरिदगी की वारदातें कब रुकेगीं।गत वर्ष हिमाचल में भी गुडिया कांड हुआ था।इससे पहले देश की राजधानी दिल्ली में दिल दहला देने वाला कृत्य हुआ था जब द्वारका नार्थ इलाके में देर रात टैक्सी से घर लौट रही एक महिला से उबर जैसे रेप का मामला घटित हो गया था।यह बहुत ही घिनौना कृत्य है कि ऐसे प्रकरण थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। देश में लड़कियां कितनी महफूज है इन घटनाओं से अंदाजा लगाया जा सकता है। 16 दिसंबर 2012 दिल्ली गैगरेप के बाद न तो हालात बदले और न ही बलात्कार रुके निरंतर

इन घटनाओं में इजाफा होता गया ज्यों-ज्यों दवा की मर्ज बढ़ता गया इसे पुलिस व्यवस्था की लापरवाही करार देना ठीक होगा क्योकि इन पांच सालों में हजारों बलात्कार की घटनाएं घटित हुई हैं 16 दिसंबर 2012 निर्भया की घटना के बाद तो इतने दुष्कर्म हुए हैं कि थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। कभी उन्नाव कभी मंदसौर तो कभी हिमाचल का गुड़िया दुष्कर्म कांड हो हो रहा है 'देश के प्रत्येक राज्य में इन केसों में निरंतर बढोतरी हो रही है यदि इन दरिदों को फांसी हो जाती है तो इन मामलों पर रोक लग सकती है क्योकि ऐसे दरिदें लोगो को एक सबक मिल जायेगा कि गलत काम करने का अंजाम क्या होता है। भेडियों व दरिदों की मानसिकता न बदली है और न बदलेगी इन दरिदों को फांसी ही आखिरी विकल्प है। 2012 से सितम्बर 2023 तक दुष्कर्मों का सिलसिला जारी रहा ऐसा कोई दिन न बीता होगा जिस दिन दरिदों ने किसी की इज्जत की नीलामी न लगाई होगी पूरे 365 दिन बैखौफ दरिदों के कारनामें बदस्तूर जारी रहे। मुम्बई में एक महिला फोटोग्राफर से गैंगरेप ने भी हर भारतीय को हिला दिया था। निर्भया के बाद दिल्ली में गुडिया के साथ भी रौंगटे खडे कर देने वाला कुकृत्य हुआ था उसमें भी मनोज नामक आरोपी ने हैवानियत की हदें पार की थी ।बलात्कार की घिनौनी वारदातों के कारण विश्व गुरु की इतनी फजीहत हो रही है कि दुनिया में बदनामी हो गई हैं। कुछ बीमार व नीच मानसिकता के लोगो ने भारत की छवि को दागदार किया है जनमानस को अब संकल्प लेना होगा तथा एकजुट होकर ऐसे लोगों का खात्मा करना होगा जो देश के लिए कंलक हैं।फांसी के जितने भी मामले लंबित हैं त्वरित कारवाई करके दरिदों का सर्वनाश करना चाहिए। ताकि आने वाले समय में ऐसे अमानवीय कृत्यो पर लगाम लग सके ।यदि अब भी कानूनों में सख्ती न बरती तो ऐसे दरिदें फिर से इन घिनौनी वारदातों को अंजाम देते रहेगें ।इसलिए अब ऐसे लोगों को समाज से बहिष्कृत करना चाहिए। केन्द्र सरकार को चाहिए कि देश के सार्वजनिक स्थलों पर हर समय सुरक्षा व्यवस्था कायम की जाए। सादी वर्दी में महिला पुलिस तैनात करनी चाहिए। सरकार को बिना समय गंवाए इन दरिदों का खात्मा करना चाहिए। ऐसे दरिदें देश के लिए घातक हैऐसे दरिदें न जाने कैसे वातावरण में रहते होगें ।ऐसे लोगो को समाज की कोई फिक्र नहीं होती कि उनके कृत्यों से पूरा समाज द्रवित होता है । समाज में ऐसे लोग बहुत ही घातक सिद्व हो रहे है । ऐसी घटनाओं पर रोक के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करने होगे ।ऐसे दुष्कर्म सामाजिक मूल्यों का पतन दशार्ते है कि समाज में विकृत मानसिकता के लोगों का बोलबाला होता जा रहा है ।इन मामलों से इन्सानियत तार-तार हो रही है ।समाज को ऐसे अपराधिक प्रवृति के लोगों की पहचान करनी होगी । यदि अब भी समाज के लोगों ने इन दरिदों को सबक नहीं सिखाया तो फिर से कोई और लड़की दरिदों की दरिदगी का शिकार होगी । अब समाज को जागना होगा, दरिदों का खात्मा करना होगा ।कानून के रखवालो को भी समाज में घटित इन हादसों पर गहराई से चितंन करना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसे प्रकरणों पर विराम लग सके । ऐसे लोगो को समाज से बहिष्कृत करना चाहिए। अगर यह प्रवृति बढ गई तो हालात बेकाबू हो जाएगें । पुलिस को भी अपने कर्तव्य का निर्वाह करना होगा ताकि पुलिस की छवि बरकरार रहे और समाज में ऐसे हादसे रूक सके । केन्द्र सरकार को भी इन हादसों पर बिना समय गंवाए इन दुष्कर्मो को रोकने के लिए कारगर कदम उठाने चाहिए ताकि देश में ऐसी वारदातों की पुनरावृति न हो सके । इनका नामोनिशन मिटाना होगा। तभी बहु-बेटियों बेखौफ होकर घूम सकती है ।इन बलातकारियों को सजा ए मौत से ही दुष्कर्मो पर लगाम लग सकती है।वक्त अभी संभलने का है अगर अब भी दुष्कर्म के इन मामलों को अनदेखा किया तो ऐसे दरिदें हर गली व चैराहे पर दरिदगी को अंजाम देते रहेगें।ऐसे दरिदों को सरेआम फांसी देनी चाहिए।तभी यह अपराध रुक सकते हैं। अगर सरकारों ने अब भी लापरवाही बरती तो हर रोज यह सिलसिला जारी रहेगा तथा चारों तरफ अराजकता फैलेगी ।

संपादकीय

गिनती की सियासत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार में जातीय जनगणना जारी होने के बाद कांग्रेस के 'जिसकी जितनी आबादी, उसकी उतनी भागीदारी' के बयान पर कहा है कि कांग्रेस देश के हिन्दुओं और गरीबों को बांटने का कुचक्र रच रही है। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में भाजपा की परिवर्तन रैली को संबोधित करते हुए कहा कि सबसे बड़ी जाति गरीब की है, और अगर उसका भला हो गया तो देश का भला हो जाएगा। भारत के संसाधनों पर पहला हक करीब का है, चाहे वह दलित, पिछड़ा या फिर सामान्य वर्ग से ही क्यों न हो। गरीब के जीवन में बदलाव होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस यह नई मांग करके देश के लोगों के बीच खाई को बढ़ाने और उनके बीच बैर बढ़ाने की कोशिश कर रही है। दरअसल, पिछले दिनों बिहार सरकार ने जातीय जनगणना के जो आंकड़े जारी किए हैं, उन्हें विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मास्टरस्ट्रोक मान रहा है। उसे लगता है कि इससे पिछड़े वगरे को लामबंद करके सत्तारूढ़ भाजपा गठबंधन को कड़ी चुनौती पेश की जा सकती है। आने वाले दिनों में पांच राज्यों में असेंबली चुनाव और उसके बाद अगले साल लोक सभा के चुनाव होने हैं, और विपक्ष एकजुट होकर केंद्र में सत्तारूढ़ मजबूत भाजपा को कड़ी चुनौती देना चाहता है। भाजपा-नीत गठबंधन को लगता था कि विपक्षी दल अपना नेता चुनने में ही इतने उलझ जाएंगे कि उनका एका नतीजाकुन नहीं होगा। लेकिन सीटों के बंटवारे और नेता के चुनाव को लेकर हठधर्मिता न दिखाने का जो रुख विपक्षी गठबंधन में दिखा है, उससे भाजपा में चिंता है और अब जिस तरह जातीय जनगणना के आंकड़े बिहार सरकार ने जारी किए हैं, और उत्तर प्रदेश जैसे राजनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण बड़े राज्य से भी जातीय जनगणना कराए जाने की मांग उठी है, उससे भाजपा-नीत गठबंधन बेशक, असहज हुआ है। अब जिस तरह से विपक्ष की पार्टियां समूचे देश में जातिवार जनगणना की मांग करने लगीं हैं, उससे लगने लगा है कि सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्ष के बीच मुकाबला तीखा रहने वाला है। विपक्ष की अनेक पार्टियां कह रही हैं कि जातिवार जनगणना से ही दलित और पिछड़ों को संविधानगत अधिकार मिलने सुनिश्चित हो सकेंगे। बेशक, जातीय जनगणना के मुद्दे के चलते देश की राजनीति नई करवट लेती दिखलाई पड़ रही है। लेकिन इससे भाजपा को नुकसान की सोचना बेमानी है क्योंकि मंडल आयोग की सिफारिशें आने के बाद से ही भाजपा का खासा विस्तार हुआ है।

चिंतन-मनन

क्या है शुद्ध अहिंसा!

गांधी जी ने अपने जीवन में अहिंसा के विविध प्रयोग किए। वे एक वैज्ञानिक थे। उनका जीवन प्रयोगशाला था। उनका प्रारंभिक और अंतिम साहित्य देखने से यह तथ्य भलीभांति स्पष्ट हो जाता है। बड़े जीव की सुरक्षा के लिए छोटे जीव को मारने में वे पाप बताते थे। खती को हानि पहुंचाने वाले बंदर, हिरण तथा अन्य जहरीले जानवरों को मारने में भी वे पाप मानते थे। यद्यपि आवश्यकतावश उन्होंने जीवों को मारने की इजाजत भी दी, पर उसे शुद्ध अहिंसा कभी नहीं माना। मेरे सामने भी ऐसे प्रश्न आते हैं कि बिल्ली चूहे को मारती है तो उसे बचाना अहिंसा है या नहीं? मैं कहता हूं कि बचाना या बिल्ली को भगाना आपका काम है। मैं इसमें हस्तक्षेप नहीं करता, किंतु इसे शुद्ध अहिंसा नहीं माना जा सकता। शुद्ध अहिंसा वही है जहां हिंसक का दिल बदले। बिल्ली से आप चूहे को बचा सकेंगे, किंतु उसे अहिंसक नहीं बना सकते।

बूचड़खाने में पैसा देकर आप जानवरों को बचा सकते हैं, किंतु ऐसा करके आप कसाई को अहिंसक नहीं बना सकते। मैं किसी को बचाने में अवरोधक नहीं बनता। किंतु मेरा वास यह है कि अहिंसा और धर्म को पैसों से खरीदा नहीं जा सकता। डंडे के बल से भी अहिंसा नहीं हो सकती। वह तो किसी के दिल को बदलने से ही हो सकती है। आज धार्मिकों की स्थिति बड़ी दयनीय है। उन्हें देखकर दिल में दर्द होता है। जैसे-तैसे शोषण से पैसे का अर्जन करते हैं, फिर उससे किसी मंदिर का फर्श और धर्मशाला बनाकर या सदाव्रत खोलकर मन से सोचते हैं कि हमने धर्म किया है। यह कैसी विडंबना है?

धर्म नहीं कहता कि आप पाप से पैसा कमाएं। ऐसे धार्मिक लोग हथियार नहीं रखते, किंतु कलम से न जाने कितनों के गले काट लेते हैं। कोई किसान सेठ के पास बैठा था। सेठ के कान से कलम गिर पड़ी। किसान बोला- आपकी छुरी गिर गई है। सेठ झुंझलाकर बोला- कैसी बात कर रहे हो, हम तो धार्मिक आदमी हैं, फिर छुरी कैसे रख सकते हैं? किसान ने कलम हाथ में लेकर पूछा- यह क्या है?

धार्मिक ध्रुवीकरण का खेल जातिगत जनगणना से बदल गया

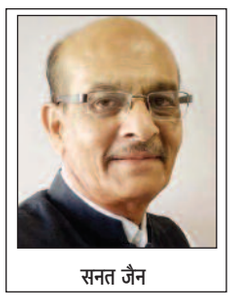

सनत जैन

पिछले एक दशक से भारत में धार्मिक ध्रुवीकरण को लेकर राजनीति की जो तेज बयार बह रही थी, अब जाति जनगणना से चुनौती मिलती हुई दिख रही है। बिहार में जाति जनगणना के साथ ही पिछड़ी जातियों के मतदाताओं को एकजुट करने के लिए जो राजनीति शुरू हुई है, उसका असर आब विभिन्न जातियों की एकजुटता पर पडना तय माना जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने पसमांदा मुसलमानों को लेकर एक नया मुस्लिम ध्रुवीकरण धार्मिक आधार पर बनाने की तैयारी की थी। यदि इसे शामिल कर लिया जाता, तो गैर आरक्षित जातियों का प्रतिशत 15 फीसदी से और नीचे चला जाता। जनगणना ने देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय को धार्मिक दृष्टि से देखने के स्थान पर संवैधानिक तरीका अपनाते हुए सामाजिक दृष्टि से न्याय माना जा रहा है। इसमें धर्म के स्थान पर अब सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टिकोण को जातिगत जनगणना से मजबूती मिलेगी भारत में जनसंख्या के लिहाज से सबसे ज्यादा आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग ओबीसी है। आबादी में 50 से लेकर 65 फीसदी तक ओबीसी जातियां हैं। डॉ राम मनोहर लोहिया ने 1957 में लिखा था कि पिछड़ों की आबादी 60 फीसदी है। तब वह जनसंघ में थे। यही बात वर्तमान में नीतीश कुमार और लालू यादव कह रहे हैं। पिछडे वर्ग की लड़ाई में दलित और आदिवासी नेपथ्य में चले जाएंगे यह आशंका भी व्यक्त की जाती है। 1980 दशक में काशीराम और मायावती ने दलितों को एकजुट करने के लिए राजनीतिक प्रयास किए थे, इसमें उन्हें

सफलता भी मिली। बसपा में बड़ी संख्या में दलित और आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हुए मुस्लिम एकजुट हुए जिसके कारण 1980 के बाद से बसपा एक बड़ी ताकत के रूप में देश भर में पहचान बनाने में सफल रही उत्तर प्रदेश में 2007 में बसपा की सरकार स्पष्ट बहुमत से बनी। यह एक बडा राजनीतिक प्रयोग था। इसके जवाब में पिछड़ा वर्ग की गोलबंदी बड़ी असरकारिक साबित हुई है। पिछड़े वर्ग का यह नेतृत्व यादव समाज कर रहा था। इसमें विभिन्न पिछड़ी जातियां जिसमें लोधी, काछी, राजभर, निषाद, गडरिया इत्यादि शामिल हो गए थे। गैर यादव पिछड़ी जातियों में भाजपा ने पिछले वर्षों में सेंध लगाई है। जिससे पिछड़ा वर्ग कमजोर हुआ था। यादव नेतृत्व की ताकत पिछले वर्षों में घटी थी। राम मंदिर निर्माण को लेकर हिंदुओं के बीच धार्मिक आधार परजो ध्रुवीकरण किया गया, उसका लाभ भाजपा के पक्ष में गया था। जिसमें सभी गैर मुसलमान और गैर ईसाई बड़ी संख्या में शामिल हो गए थे। 2011 में सामाजिक आर्थिक जनगणना कराने का काम शुरू किया गया था। आर्थिक आधार के कारण जातिगत चेतना मंद पड़ी थी। हिंदू एकता के नाम से सबको एकत्रित किया गया रोनी कमीशन बनाकर यह विश्वास दिलाया गया था, कि सभी वर्गों को उनकी संख्या के हिसाब से लाभ दिया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी ने इसको एक राजनीतिक हथियार की तरह उपयोग किया था। चुनाव के समय इसका बड़ा प्रचार प्रसार किया जाता था, लेकिन रोहिणी कमीशन और पिछड़े वर्ग को लेकर भाजपा की केंद्र सरकार जाति जनगणना को लेकर पीछे हट गई। जाति जनगणना का यह पिटारा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खोल दिया है। बिहार ने जातिगत जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक कर दिए हैं। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस भी इस मामले में लालू और नीतीश के साथ है। इंडिया गठबंधन के अन्य राजनीतिक दल भी इस मांग का समर्थन कर रहे हैं। पिछले 10 साल से केंद्र में भाजपा की सरकार है। 90 के बाद से भारतीय जनता पार्टी का जनाधार धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर बड़ी तेजी के साथ बढा था, लेकिन एक बार फिर सामाजिक न्याय के नाम पर अति पिछडों और अति दलितों को एकजुट करने का काम इस जाति जनगणना ने कर दिखाया है। भारतीय जनता पार्टी इसका बाहर से समर्थन करते हुए दिखाई पड़ रही है। लेकिन सत्ता में रहते हुए उसे जो करना चाहिए, वह नहीं करने के कारण भारतीय जनता पार्टी अलग-अलग पड़ती नजर आ रही है। हिंदुत्व को लेकर जो बयार भाजपा ने बहाई थी, अब वही बयार नीतीश कुमार, लालू यादव और कांग्रेस घेरने की तैयारी कर रही है। इसका बड़ा असर होते हुए भी दिख रहा है। राजनीति के इस खेल में जातिगत जनगणना अब धार्मिक ध्रुवीकरण को पीछे छोड़ते हुए नजर आ रही है। निश्चित रूप से हिंदू आबादी का एक बहुत बड़ा वर्ग पिछड़ा दलित आदिवासी वर्ग से आता है। पांच राज्यों की विधानसभा चुनाव के पहले और लोकसभा चुनाव के पहले राजनीति के खेल का रंग पूरी तरह से बदलता हुआ दिखने लगा है। आर्थिक आधार पर भी आरक्षण की बात बड़ा असर डाल रही है। जातिगत जनगणना से आर्थिक आधार पर भी परिवारों की पहचान हो सकेगी। इन सब कारणों से लगता है कि आने वाले समय में देश की राजनीति एक बड़े बदलाव के दौर से गुजरेगी। जन सामान्य के बीच अपने अधिकारों को लेकर सजगता बढ़ रही है। इसका असर आने वाले चुनाव में निश्चित रूप से पड़ेगा। मंडल और कमंडल की लड़ाई में जातीय जनगणना के नाम पर मंडल की राजनीति भारी पड़ती दिख रही है। जो 2024 के लोकसभा चुनाव को प्रभावित करेगी।

हर चुनाव की तासीर अलग-अलग होती

डा. भरत मिश्र प्राची

देश में लोकसभा चुनाव से पूर्व इस वर्ष के अंतराल में शीघ्र हीं राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीस गढ़, तेलंगाना, एवं मिजोरम राज्यों के विधान सभा चुनाव होने वाले है जिसकी अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है पर इन राज्यों में अपनी - अपनी सरकार बनाने की दिशा में सभी राजनीतिक दल सक्रिय हो चले है। इन राज्यों में फिलहाल मध्यप्रदेश में भाजपा, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में कांग्रेस, मिजोरम में मिजो नेशनल फंराट, तेलंगाना में बी आर एस की सरकार है। इन राज्यों में कांग्रेस एवं भाजपा की मुख्य रूप से नजर राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ पर है जहां भाजपा इस चुनाव में किसी स्थानीय नेता को आगे न कर नरेन्द्र मोदी के नाम से सत्ता हासिल करने की भरपूर कोशिश कर रही है , वहीं कांग्रेस अपने कार्यकाल में किये गये विकास कार्य के आधार, विपक्ष पर प्रहार कर इन राज्यों में सत्ता पर आने के प्रयास में सक्रिय नजर आ रही है।

इस दिशा में इन दोनों दल की नजर मिजोरम एवं तेलंगाना राज्यों पर भी है। जहां क्षेत्रीय दलों का प्रभुत्व है। इस प्रयास में भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय नेताओं की रैली, सभाएं लगातार जारी है जिनमें आम जन को राहत की गारन्टी देने की घोषणाएं की जा रह है। वर्तमान सरकार की योजनाएं नहीं बदले जाने का वादा किया जा रहा है। सत्ताधारी कांग्रेस भी आम जन को अधिक से अधिक राहत देने की प्रक्रिया अमल करती नजर आ रही है।

हर चुनाव की तासीर अलग-अलग होती है। जहां लोकसभा चुनाव में देश की जनता की नजर केन्द्रीय मुद्दों को लेकर होती है वहीं विधानसभा चुनाव में राज्य स्तरीय हो जाती है और जब चुनाव पंचायती, नगर निगम, नगर निकाय स्तर तक पहुंच जाता वहां आम जन का दृष्टिकोण और हीं नजर आने लगता जिसके चलते लोकसभा, विधानसभा, पंचायत, नगर निकाय की तस्वीर अलग - अलग उभर कर सामने आती है। पूर्व में इन सभी जगहों पर एक ही राजनीतिक दल कांग्रेस का वर्चस्व नजर आता था पर जब से देश की राजनीतिक स्थितियों में परिवर्तन आया है, क्षेत्रीय दलों का वजूद बढ़ा है, चुनावों में अलग - अलग परिदृश्य उभर कर सामने आने लगे है। जब कि इन चुनावों में सभी राजनीतिक अपने चुनाव चिन्ह पर हीं चुनाव लड़ते है पर जनता का निर्णय एक सा नहीं होता। कर्नाटक विधान सभा चुनाव भी भाजपा नरेन्द्र मोदी के नाम हीं लड़ी पर वहां जीत कांग्रेस की हुई। राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में हुये लोकसभा चुनाव में भाजपा को शतप्रतिशत जीत हासिल हुई पर तुरन्त बाद में इन्हीं राज्यों के विधानसभा चुनाव की तस्वीर बदल गई जहां भाजपा इन राज्यों से सत्ता विहीन हो गई, कांग्रेस सत्ता में आ गई। दिल्ली की भी तस्वीर सामने है जहां लोकसभा की सारी सीट भाजपा के पाले में गई वहीं विधान सभा एवं नगर निकाय की सीट आप के पाले में गई। लोकसभा में यदि नरेन्द्र मोदी का परचम लहरा रहा है तो कोई जरूरी नहीं की विधानसभा चुनावों में भी मोदी लहर काम आये। वर्तमान में होने वाले विधानसभा चुनाव के परिणाम इस भ्रम को दूर कर देंगे।

(-स्वतंत्र पत्रकार)

मुख्यमंत्री ने बस्ती मण्डल की मण्डलीय समीक्षा बैठक की

किसी भी कमजोर, गरीब, उद्यमी, व्यवसायी की भूमि पर कोई कब्जा न करने पाए : मुख्यमंत्री

संस्कार उजाला, महेश शर्मा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने भूमि विवादों एवं जनसमस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता पर करने के निर्देश दिए हैं। जनपद बस्ती के मण्डलायुक्त सभागार में आज आहूत मण्डलीय समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को भू-माफियाओं, खनन एवं अन्य माफियाओं के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी कमजोर, गरीब, उद्यमी, व्यवसायी की भूमि पर कोई कब्जा न करने पाए। मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों से नियमित संवाद बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि बस्ती मण्डल के तीनों जनपदों के जनप्रतिनिधियों को अटल आवासीय विद्यालय का भ्रमण कराया जाए। उन्होंने कहा कि शहर के प्रमुख स्थानों, बाजारों में सड़क की ओर फेस करते हुए सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगवाए

जाएं, इससे अपराध नियंत्रण में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस तथा थाना दिवस को गम्भीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारी इसका निरीक्षण करें। पैमाइश एवं नामान्तरण के मामलों को गम्भीरता से लेते हुए 48 घण्टे के भीतर निस्तारित किया जाए। मण्डल, जिला, तहसील स्तर पर ऐसे मामलों की समीक्षा की व्यवस्था बनायी जाए। भूमि विवाद में कोई घटना होने पर सम्बन्धित जनपद एवं तहसील की जिम्मेदारी तय की जाएगी। अन्य विभागों के मामलों के निस्तारण की स्थिति की भी नियमित समीक्षा की जाए, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा से सम्बन्धित मिशन शक्ति अभियान 14 अक्टूबर, 2023 से शुरू किया जाएगा। नगर पालिका परिषदों व नगर पंचायतों को सेफ सिटी के रूप में तैयार किया जाए। सभी साइबर थाने एवं साइबर हेल्प डेस्क सक्रिय रहें। अधिकारी धर्मान्तरण, गो-तस्करी, लव जिहाद के मामलों को गम्भीरता से लें। नेपाल से जुड़ी सीमा पर विशेष निगरानी रखी जाए। मुख्यमंत्री जी ने मण्डल के तीनों जनपदों के अधिकारियों से संचारी रोगों-डेंगू, चिकनगुनिया, कालाजार, मलेरिया, फाइलेरिया आदि की स्थिति तथा डॉक्टरों एवं दवाओं की उपलब्धता के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपचार की समुचित व्यवस्था सुलभ करायी जाए। इस माह संचालित विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के दौरान विशेष स्वच्छता अभियान संचालित किया जाए। विद्यालयों में प्रार्थना के समय विद्यार्थियों को संचारी रोगों से बचाव के सम्बन्ध में जानकारी दी जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए पात्र व्यक्तियों का चयन कर प्रथम किश्त जारी होने के बाद समय से गुणवत्तापरक निर्माण सुनिश्चित कराया जाए। दूसरी किश्त का समय से जारी किया जाना भी सुनिश्चित किया जाए। ऐसे पात्र व्यक्तियों, जिनके पास अपनी भूमि नहीं है, उन्हें भूमि का पट्टा आवंटित किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत निधि के उपयोग के बारे में निर्धारित कार्ययोजना लागू की जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा गरीबों के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित हैं। पात्र व्यक्तियों का चयन कर उन्हें राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पेंशन योजना आदि का लाभ उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत लाभार्थी को 51,000 रुपये की धनराशि प्रदान की जाती है। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र व्यक्ति इससे वंचित न रहे। इस सम्बन्ध में ग्राम प्रधान एवं पंचायत सचिव की जिम्मेदारी तय की जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए अधिकारी, जनप्रतिनिधि जिम्मेदारी महसूस करें। सभी के प्रयास से यह कार्य सम्पन्न किया जा सकता है। लम्पी स्किन डिजीज से प्रभावित पशुओं के उपचार की समुचित व्यवस्था की जाए तथा सुरक्षित पशुओं को इसका टीका लगवाया जाए। जल जीवन मिशन के सम्बन्ध में उन्होंने निर्देश दिए कि प्रयोग किए जा रहे पाइप की नियमित जांच कर उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक परियोजना के लिए एक नोडल अधिकारी भी नामित किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने सड़कों से सम्बन्धित सभी विभागों को दीपावली से पूर्व सभी सड़कों को गड्ढामुक्त किए जाने के निर्देश दिए। इस कार्य हेतु पर्याप्त धन की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर एम0एस0एम0ई0 एवं जनपद के प्रभारी मंत्री श्री राकेश सचान सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त डायरी

अशोक आजाद बने बसपा से जिला सचिव

संस्कार उजाला

हापुड़। बहुजन समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष डॉ ऐ के कर्दम जी ने भीमनगर निवासी जंग सिंह के पुत्र अशोक आजाद को हापुड़ जिला सचिव के पद पर मनोनीत किया है। जिला अध्यक्ष डॉ ऐ के कर्दम ने बताया कि अशोक आजाद पिछले कई वर्षों से पार्टी में वरिष्ठ नेता के रूप में कार्य कर रहे हैं। इनकी लगन व निष्ठा को देखते हुए अशोक आजाद ने कहा कि पार्टी ने जो विश्वास कर मुझे जिम्मेदारी सौंपी है उसे मैं पूरी लगन व निष्ठा के साथ तन मन धन से निर्वहन करुंगा। इस मोके पर सभी ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया। मनोनित करने की उपस्थिति में रहे जिलाध्यक्ष डॉ ऐ के कर्दम विधानसभा अध्यक्ष केपी सिंह जिला कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार सागर विनोद कर्दम दीपक बौद्ध संजय बाल्मीकि और हापुड़ जिला महा सचिव जगमाल पाल रहे।

पीड़ित ने लगाया दबँगो पर घर में घुस कर मारपीट करने का आरोप

संस्कार उजाला

बुलंदशहर । थाना पहासू छेत्र के गाँव फजलपुर का मामला सामने आया है !जहाँ महेंद्र पाल सिंह के घर मैं घुस कर कुछ दबँग प्रवर्ती के लोगों ने मारपीट कर डाली !बतादें कि घायलों मैं दो महिला समेत चार लोग घायल बताये गए !वहीं पीड़ित महेंद्र पाल ने पुलिस पर आरोप लगाया कि पुलिस दबँगो के इशारों पर चलते हुए हमारी रिपोर्ट भी दर्ज नहीं कर रही है।

गौशाला में भूखी गाय देख भड़के गौ रक्षा समिति के जिलाध्यक्ष चौ. परविंद्र सिंह

संस्कार उजाला, तेजवीर सिंह

हापुड़ । गढ़ ब्लॉक के गाँव उपेड़ा गौशाला मैं गौ रक्षा समिति के जिलाध्यक्ष परविंद्र चौधरी ने अचानक गौ शाला का निरिक्षण किया !जहाँ गौ वंशो को सूखा चारा खाते देख परविंद्र चौधरी आग बबूला हो गए !बतादें गौ शाला मैं केवल पानी मैं ही भूसा भिगो कर गायों को खिलाया जा रहा है !मिली जानकारी के अनुसार 5किलो खल चुरी मैं ही पूर्ति की जा रही है लेकिन जब इस बाबत मैं जिलाध्यक्ष चौधरी परविंद्र ने केयर टेकरऔर प्रधान से बात करी तो दोनों ने एक दूसरे के ऊपर बात टाल कर पल्ला झाड लिया !परविंद्र ने बताया कि उन्होंने कुछ अधिकारियो को फोन किया था तो फोन रिसीव नहीं किया वहीं चौधरी परविंद्र ने कहा कि अब तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के आदेशानुसार गौ वंशो के लिए धन राशि बढ़ा दी गई है !इस मोके पर गढ़ ब्लॉक अध्यक्ष सोनवीर सिंह गुरविन्द्र पाल व प्रदीप कुमार मौजूद रहे।

मयूर ग्रुप पर आयकर विभाग की बड़ी रेड

कानपुर । बड़ी वनस्पति तेल कंपनी मयूर ग्रुप पर आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। सूत्रों के मुताबिक, कानपुर समेत यूपी में करीब 20 और मध्य प्रदेश के 15 ठिकानों पर कार्रवाई जारी है। इसमें 150 से अधिक अफसर कार्रवाई में शामिल हैं। गुरुवार सुबह 6 बजे टीमें पहुंच गईं। इसके बाद सभी परिसर सील कर दिए गए हैं। सोर्स के मुताबिक, करीब 1 हजार करोड़ की टैक्स चोरी का मामला बताया जा रहा है। सिविल लाइन स्थित मयूर ग्रुप की कोठी 5 मंजिला बेहद आलीशान बनाई गई है। सूत्रों के मुताबिक यहां 2 दर्जन से अधिक आयकर अधिकारियों की टीमें मौजूद हैं। आयकर अधिकारियों ने तब छापेमारी की है, जब कंपनी के दोनों डायरेक्टर इसी आलीशान कोठी में मौजूद हैं। बता दें कि मयूर ग्रुप वनस्पति तेल, फूड आइटम्स और पैकेजिंग का काम करते हैं। कानपुर देहात के रनियां क्षेत्र में मयूर ग्रुप की सबसे बड़ी फैक्ट्री है। मयूर ग्रुप ने फैक्ट्री के आसपास भी 1000 एकड़ से ज्यादा जमीनों की खरीद फरोख्त की है। वहीं आयकर सूत्रों के मुताबिक कंपनी में बड़े पैमाने पर आयकर चोरी की जा रही थी। करीब 1 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का आयकर चोरी की बात फिलहाल सामने आ रही है। हालांकि अधिकारियों ने दस्तावेजों को खंगालना शुरू कर दिया हैं। रनियां स्थित फैक्ट्री में भी आयकर की टीम मौजूद है। कानपुर में मयूर वनस्पति के ठिकानों 30 दिसंबर 2021 को भी DGGI लखनऊ के छापे में आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) में बड़ी गड़बड़ी पकड़ी गई थी। चार साल पुराने इस मामले में कंपनी के मालिक सुनील गुप्ता और सुरेश गुप्ता भी फंसे थे। वर्ष 2019 में डीआरआई ने (राजस्व खुफिया निदेशालय) ने मयूर वनस्पति पर छापा मारकर कंपनी के एक निदेशक को गिरफ्तार भी किया था।

उत्कृष्ट कार्य के लिए सफाई कर्मी हुए सम्मानित

संवाददाता

कुशीनगर। पडरौना क्षेत्र पंचायत के ग्राम साखोपार में उत्कृष्ट कार्य के लिए सफाई कर्मी शंभू प्रसाद और प्रेम चंद को ग्राम पंचायत की तरफ से पंचायत भवन पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एडीओ पंचायत अरुण कुमार और लघु सिंचाई विभाग के जेई विनोद कुमार ने माल्यार्पण के पश्चात शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उक्त अवसर पर ग्राम प्रधान शैलेश प्रताप नारायण सिंह, एडवोकेट कुशल प्रताप नारायण सिंह, पूर्व प्रधान जयराम प्रसाद, मोहन प्रसाद, दुर्गा वर्मा, शिवम सिंह,त्रिपुरेश प्रताप सिंह, सत्यम सिंह, शशांक प्रताप सिंह, राघव मद्धेशिया, रामवृक्ष गौड़, गोबरी प्रसाद चौहान, रामविलास यादव, रमाकांत रावत आदि लोग उपस्थित रहे।

निशुल्क चिकित्सा शिविर में 100 मरीजों को परामर्श दिया गया

संवाददाता

धामपुर। दमयंती देवी प्रेरणा संस्थान धामपुर द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। निशुल्क चिकित्सा शिविर दमयंती देवी नर्सिंग होम कालागढ़ रोड धामपुर में लगाया गया । शिविर का उद्घाटन दिनेश चंद नवीन जी के द्वारा फीता काट कर किया गया । शिविर में धामपुर नगर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ अनिल दास फिजिशियन ने लगभग 100 मरीजों को निशुल्क परामर्श दिया। जिसमे 3 दिन की निशुल्क दवाईयां वितरण की गई तथा सभी जांचें नाम मात्र रुपए में की गई। शिविर में "पॉलिथीन मुक्त नगर अपना "अभियान के बारे में लोगों को अवगत कराकर कपड़े के बने थैले भी ₹10 सहयोग राशि लेकर वितरित किए गए। शिविर को सफल बनाने में संकेत अग्रवाल ,आदित्य पांडे ,गौरव चौहान, साहिल जी, राजीव कुमार, सतीश कुमार ,पंकज कुमार ,अखिलेश शर्मा ,योगेंद्र कुमार ,हिमांशु कंसल, कपिल सैनी,संध्या जी आदि का योगदान सराहनीय रहा।

जनसुनवाई में थानाध्यक्ष ने सुनी फरियाद, दिया समाधान का भरोसा

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। स्थानीय थाना परिसर में थाना अध्यक्ष की अध्यक्षता में जनसुनवाई किया गया। थानाध्यक्ष दिग्विजय नारायण राय ने समाधान का भरोसा दिया। थानाध्यक्ष दिग्विजय नारायण राय ने बताया की पीड़ितों की जनसुनवाई कर उनके त्वरित कार्यवाही किया गया। जनसुनवाई के दौरान आए हुए पीड़ितों में पांच पीड़ितों के तहरीर पर तत्काल कार्यवाही कर उनके समस्या का हल किया गया। जिसमे जमीनी विवाद, मार - पीट से जुड़ी समस्या सम्मिलित थी। बाकी पीड़ितों के समस्या का निपटारा भी शीघ्र कर दिया जाएगा। राय ने बताया की किसी भी तरह के पीड़ित को कही जाने की जरूरत नही है न ही किसी दलाल के चक्कर में पड़ने की जरूरत है, पीड़ित कभी भी सीधा मुझसे मिल कर या थाने में किसी पुलिस कर्मी को मिलकर अपनी समस्या से अवगत किया जा सकता है जिसकी तत्काल कार्यवाही कर पीड़ित को समस्या से मुक्त किया जायेगा।

बुलंदशहर: 430 ग्राम पंचायतें होंगी कचरा मुक्त

बुलंदशहर । स्वच्छ भारत मिशन ओडीएफ प्लस के तहत अब 430 ग्राम पंचायतों को कचरा मुक्त किया जाएगा। इसके लिए पंचायतों में वर्मी कंपोस्ट पिट व सोक पिट बनाए जाएंगे। साथ ही घर-घर से कूड़ा एकत्रित करने की व्यवस्था की जाएगी। इस कार्य पर 48 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। जिला में 946 ग्राम पंचायतें हैं। इन ग्राम पंचायतों में स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालयों का निर्माण कराया गया है। इसके साथ ही ग्राम पंचायतों में सामुदायिक शौचालय का निर्माण भी कराया गया है। इसके बाद अब ग्राम पंचायतों से निकलने वाले कचरे के प्रबंधन पर शासन का ध्यान केंद्रित हो गया है। पिछले दिनों 413 ग्राम पंचायतों को कचरा मुक्त करने की शुरूआत हुई थी। इनमें से 396 ग्राम पंचायतों में काम शुरू हो गया है। जबकि शेष पंचायतों में काम पूरा हो गया है।

प्रियंका मॉडर्न स्कूल के प्रधानाचार्य बने सिटी कोऑर्डिनेटर

संस्कार उजाला, दिनेश शर्मा

धामपुर। प्रियंका मॉडर्न स्कूल धामपुर के प्रधानाचार्य डी एस नेगी को सी,बी,एस,ई, रीजनल आफिस देहरादून द्वारा धामपुर क्षेत्र के स्योहारा, अफजलगढ़ ,नूरपुर नहटौर, शेरकोट ,कांठ, सहसपुर ,आदि सभी सी, बी, एस, ई स्कूलों के लिए सिटी कोआर्डिनेटर नियुक्त किया गया।, नवनियुक्त सिटी कोऑर्डिनेटर डीएस नेगी ने स्कूल

प्रबंधक सहित सभी शिक्षा शिक्षक शिक्षा तथा सी,बी,एस,ई रीजनल ऑफिस देहरादून का धन्यवाद किया। और उन्होंने कहा कि जो जिम्मेदारी मुझे दी है ।मैं उसे ईमानदारी के साथ निभाऊंगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में आने वाले सभी सी,बी,एस,ई सम्बद्ध स्कूलों में शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर शिक्षा के गुणवत्ता को सर्वश्रेष्ठ बनाने का पूर्ण प्रयास निष्ठा व इमानदारी के साथ करूंगा। तथा सभी उत्तरदायित्व का निष्पक्षता व ईमानदारी के साथ निर्वहन करुंगा। इस अवसर पर प्रियंका मॉडर्न स्कूल की प्रबंधन समिति के राणा प्रियंकर सिंह, अदिति राणा, ज्योति राणा, एस,के देवरा ,एवं स्कूल के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने प्रधानाचार्य को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी।

समूह सखी का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

संवाददाता

कसया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत विकास खण्ड कसया सभागार में दृष्टि प्रेरणा संकुल स्तरीय संघ द्वारा आयोजित पांच दिवसीय लोकोस/सखी एप कैडर प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। बुधवार की सायं को प्रशिक्षण के समापन अवसर पर संयुक्त खण्ड विकास अधिकारी राकेश कुमार दीपक ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण को लेकर चर्चा की और अधिक से अधिक समुह निर्माण पर जोर दिया। कैडर मोबिलाइजेशन को लेकर बताया कि आजीविका के लिए घरेलू कार्य, कुटीर उद्योग, कुकुट, बकरी पालन आदि से आर्थिक मजबूती आएगी और महिलाएं में स्वावलंबन बढ़ेगा। 30 सितम्बर से चले पांच दिवसीय प्रशिक्षण में बीडीओ रवि कुमार रंजन, बीडीओ सुधा पाण्डेय ने एनआरएलएम के माध्यम से महिला समूहों के आर्थिक लक्ष्य प्राप्ति व आत्म निर्भरता के लिए प्रेरित किया और सखी एप पर ज्यादा से ज्यादा हाउस होल्ड को फीड करें ताकि सभी को समूह से जोड़ा जा सके। बीएमएम अवधेश संचालन किया जबकि आभार बीएमएम भभूति कुमार यादव ने व्यक्त किये। इस दौरान प्रशिक्षक रामदीप कुमार, सूबेदार कुमार, दृष्टि प्रेरणा संकुल संघ की अध्यक्षा अनिता देवी, समूह सखी अनुराधा सहित विभिन्न समूहों की 25 कैडर उपस्थित रहीं ।

बीडीओ ने बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर एमडीएम चखा

संस्कार उजाला, अजय कुमार

कसया, कुशीनगर। हाटा बिकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय बारी गांव पगरा का निरीक्षण करने पहुंचे गुरुवार को खण्ड शिक्षा अधिकारी उदयशंकर राय ने बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर एमडीएम चखा और गुणवत्ता को परखा और बच्चों को निपुण बनाने पर जोर डाला निरीक्षण के दौरान बिधालय में छात्र छात्राओं की नामांकन 112 में 110 बच्चे उपस्थित मिले और 80 प्रतिशत बच्चे निपुण मिले जिसपर खण्ड शिक्षा अधिकारी उदयशंकर राय ने बिधालय परिवार के सभी सदस्यों को शाबाशी दी और सतप्रतिशत बच्चों को निपुण बनाने पर जोर दिया खण्ड शिक्षा अधिकारी उदयशंकर राय ने मिड डे

मिल में बने भोजन को चखकर उसकी गुणवत्ता की जानकारी प्राप्त की और खण्ड शिक्षा अधिकारी ने प्रधानाध्यापिका मंजू सिंह को निर्देश दिया कि भोजन का मीनू लगवाया जाए और कहा कि समय समय पर निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता की जांच निरंतर जारी रहेगा बिधालय की साफ सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने का भी निर्देश दिया और कायाकल्प द्वारा बिधालय को स्वच्छ बनाने पर जोर दिया गया खण्ड शिक्षा अधिकारी उदयशंकर राय के द्वारा प्रत्येक कक्षा में जाकर बच्चों से अब तक पढ़ाये गए विषय की जानकारी प्राप्त की और उपस्थित बच्चो से विज्ञान का सवाल पूछा जिसका उत्तर बच्चो के द्वारा दिया गया। अधिकारी ने प्रधानाचार्य से कहा कि बच्चों को प्रैक्टिकल के माध्यम से भी पढ़ाया जाए जिससे विद्यार्थी अधिक सीखेगे और सिखाई गई विषयवस्तु लंबे समय तक याद रखी जा सकती है।

उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक कक्षा में टाइम टेबल लगाए जाएं। उन्होंने सभी अध्यापिका को निर्देशित किया कि बच्चों को अच्छी तरह पढ़ाया जाए, शब्द अर्थ पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा की बच्चों को आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा कार्यक्रम के बारे में बताया जाए।

बेहतर प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 3 आकांक्षी नगरीय निकायों को

50 लाख से 2 करोड़ तक प्रोत्साहन राशि देगी योगी सरकार

संस्कार उजाला, सचिन शर्मा

लखनऊ । आकांक्षी शहरी निकायों के बीच प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने के लिए योगी सरकार विभिन्न प्रकार के प्रदर्शन आधारित पुरस्कार प्रदान करेगी। अच्छा प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 3 निकायों को 50 लाख रुपए से लेकर 2 करोड़ रुपए तक का पुरस्कार मिलेगा। यह पुरस्कार राशि प्रोत्साहन के रूप में दी जाएगी ताकि निकायों के विकास कार्यों को गति प्रदान की जा सके। शीर्ष निकायों का निर्धारण विभिन्न पैरामीटर्स पर निकायों की निगरानी करने वाली समितियों की रिपोर्ट के आधार पर तैयार रैंकिंग से होगा। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी के निर्देश पर आकांक्षी विकासखंडों की तर्ज पर आकांक्षी नगरीय निकाय योजना शुरू की गई है। पहले चरण में इसमें 100 नगरीय निकायों को चिन्हित किया गया है। 03 अग्रणी शहरों को प्रति वर्ष प्रथम पुरस्कार के रूप में 02 करोड़, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 1 करोड़ तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में 50 लाख की प्रोत्साहन धनराशि दी जाएगी। अलग-अलग सेक्टर्स में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शहरों को वर्ष में एक बार 50-50 लाख की प्रोत्साहन धनराशि प्रदान की जाएगी। पुरस्कार राशि की परियोजनाएं सम्बंधित निकाय के अध्यक्ष तथा जिलाधिकारी के संयुक्त सुझाव पर नगर विकास विभाग द्वारा अनुमोदित की जाएगी। सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 फेलोज को प्रमाण पत्र एवं निकायों की पीएमयू तथा आउटसोर्सिंग में लिये जाने हेतु प्राथमिकता दी जायेगी। सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शहरों के अधिकारियों तथा कार्मिकों को प्रशिक्षण के उद्देश्य से राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के एक्सपोजर विजिट का अवसर प्रदान किया जाएगा। चयनित 100 नगर निकायों में यह योजना 31 मार्च 2026 तक लागू रहेगी तथा उसके उपरान्त यह नगर निकाय आत्मनिर्भर रूप से कार्य करेगे, परन्तु इनकी मॉनिटरिंग डैशबोर्ड के माध्यम से 31 मार्च 2028 तक चलती रहेगी। 31 मार्च 2026 के पूर्व वर्तमान चयनित 100 नगर निकायों के स्थान पर अन्य 100 नगर निकायों का चयन किया जाएगा तथा यहां यह योजना 01 अप्रैल 2026 से अग्रिम 02 वित्तीय वर्षों तक लागू रहेगी और इसके उपरान्त ये नगर निकाय आत्मनिर्भर रूप से कार्य करेंगे। समस्त आकांक्षी 100 शहरी निकाय में सभी रिक्त पदों को सभी विभागों द्वारा भरा जाना सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि एक बार तैनाती के उपरान्त इन्हें न्यूनतम 03 वर्ष का कार्यकाल प्रदान किया जाए तथा स्थानान्तरण की स्थिति में इनकों कार्यमुक्त तभी किया जाए जब इनके स्थान पर नए कार्मिक कार्यभार ग्रहण करने के लिए उपस्थित हो जाए। सम्बंधित जिलाधिकारी शासन स्तर पर सम्बंधित विभागों से समन्वय कर इसे सुनिश्चित करायेगें। इसके अतिरिक्त नियोजन विभाग द्वारा सभी जनपदों के लिए योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को नोडल अधिकारी के रूप में समय समय पर नामित किया जाता है। नोडल अधिकारी जनपदों में भ्रमण के समय आकांक्षी नगर निकायों को 32 पैरामीटर्स पर समीक्षा करना सुनिश्चित करेंगे।

प्रदीप कासनी गिरोह का एक्टिव सदस्य पकड़ास, 28 पिस्तौल समेत हथियारों का जखीरा बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली। डीसीपी नॉर्थ सागर सिंह कलसी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदीप कासनी गिरोह के एक सक्रिय सदस्य के कब्जे से हथियारों का जखीरा बरामद किया गया है। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि अपराधी के पास से 28 पिस्तौल और 150 से अधिक जिंदा कारतूस सहित हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है।

नोएडा में फर्जी तरीके से लोन कराकर मौज-मस्ती करने वाला गिरफ्तार

नोएडा। फर्जी दस्तावेज तैयार कर लोन लेने वाले एक जालसाज को थाना दादरी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी लोन का पैसा प्राप्त कर महिलाओं व युवतियों के साथ मौज-मस्ती करता है। पुलिस ने जालसाज के पास से 3 लाख रुपये नकद तथा एक कार बरामद किया है।

थाना दादरी के प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि एक सूचना के आधार पर थाना दादरी पुलिस ने आज रमेश कुमार पुत्र दीपचन्द्र निवासी महावीर इन्कलेव पालम दिल्ली को गौर अतुल्यम चौराहे के पास से गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया इसके पास से पुलिस ने दो स्मार्टफोन कीपैड फोन, कई कंपनियों के आई कार्ड, वोटर आई कार्ड, पैन कार्ड, चेक बुक सहित भारी मात्रा में फर्जी दस्तावेज तथा बरामद किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी सीधे-साधे लोगों के नाम से फर्जी दस्तावेज तैयार करके बैंकों से लोन करवाता है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने एक कार और तीन लाख रुपए नगद भी बरामद किया है। उन्होंने बताया कि अभियुक्त ने पूछताछ पर बताया कि वह फर्जी कागज तैयार कर उन कागजातों के आधार पर बैंक से लोन लेता है और मकान बदल देता है।

बरामद लैपटाप के बारे पूछने पर बताया कि वह इसी लैपटाप की मदद से फर्जी पेपर व कार्ड तैयार करता है। बरामद रुपयों के बारे में पूछने पर बताया कि वह ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में कमरा देखने आया था, जो भी फ्लैट मिलता बयाना देकर किराये पर ले लेता और फिर इसी पते के आधार पर लोन कराता। उन्होंने बताया कि लोन के पैसों से वह महिलाओं व युवतियों के साथ मौज-मस्ती करता है।

गाजियाबाद में पूर्व विधायक असलम चौधरी और उनके बेटे पर जमीन कब्जाने की एफआईआर दर्ज

गाजियाबाद । गाजियाबाद पुलिस ने बसपा के पूर्व विधायक असलम चौधरी, उनके बेटे समेत तीन लोगों के खिलाफ जमीन हड़पने और रंगदारी मांगने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। मुकदमा अदील यामीन उर्फ राजा दीवान ने गाजियाबाद के थाना मसूरी में दर्ज कराया है। इसमें पूर्व विधायक असलम चौधरी, उनके पुत्र शाहनवाज, उमरी सहित करीब 20-25 अज्ञात लोग आरोपी बनाए गए हैं।

अदील यामीन के अनुसार, 6 जुलाई को शाहनवाज कुछ लोगों के साथ उनकी पुश्तैनी जमीन में घुस आया और कब्जा करने लगा। सूचना पर अदील यामीन मौके पर पहुंचे। उन्होंने फोन करके पुलिस को बुलाया। पुलिस के आने पर शाहनवाज अपने साथियों सहित वहां से भाग गया। अदील यामीन ने कहा कि आरोपियों ने भागते वक्त उन्हें हत्या करके लाश नहर में फेंकने की धमकी भी दी थी। अदील ने पुलिस को घटना की सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध कराई है। पीड़ित परिवार के अनुसार, पूर्व विधायक का परिवार जमीन पर कब्जा या 2 करोड़ रुपए रंगदारी मांग रहा है। इस मामले में मसूरी थाना पुलिस ने 3 अक्टूबर की रात मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में पूर्व विधायक असलम चौधरी का कहना है कि मेरे बेटे ने आवासीय कॉलोनी बनाने के लिए जमीन अदील यामीन से खरीदी थी। रजिस्ट्री के वक्त विक्रेता ने कुछ गड़बड़ी कर दी। इस मामले में मेरे बेटे ने रिपोर्ट दर्ज कराई और पुलिस उसमें चार्जशीट भी लगा चुकी है। उसी की रंजिश में दूसरे पक्ष ने झूठा मुकदमा दर्ज कराया है।

संजय सिंह की गिरफ्तारी पर आप-बीजेपी आमने सामने

नई दिल्ली। दिल्ली में कथित शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद आप और भाजपा के बीच बयानबाजी का सिलसिला शुरू हो गया है। आज संजय सिंह को कोर्ट में पेश किया जाएगा। गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी बीजेपी मुख्यालय का घेराव कर रही है।

भाजपा बोली- भ्रष्टाचार करना आप का चरित्र

संजय सिंह की गिरफ्तारी पर भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए संबित पात्रा ने कहा कि दिल्ली में खुले तौर पर भ्रष्टाचार हुआ है। खुले तौर पर भ्रष्टाचार करना आप का चरित्र है और जब वे पकड़े जाते हैं तो वे इस पर राजनीति शुरू कर देते हैं।

भाजपा प्रवक्ता ने आगे कहा कि दिल्ली शराब घोटाला मामले में दोषियों को उनकी धोखाधड़ी की भयावहता के आधार पर बढ़ते क्रम में पकड़ा जाएगा। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद संजय सिंह की गिरफ्तारी इस मामले में दूसरी हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारी है। आप सांसद संजय सिंह को शराब घोटाला मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया गया है।

आतिशी ने पूछे सवाल

वहीं दूसरी तरफ दिल्ली शराब घोटाला मामले में संजय सिंह की गिरफ्तारी पर दिल्ली की मंत्री आतिशी ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि इस जांच में ईडी और सीबीआई ने पिछले 15 महीनों से 500 से ज्यादा अधिकारियों को तैनात किया है। इन अधिकारियों ने हजारों जगहों पर छापेमारी की है। लेकिन उन्हें किसी भी भ्रष्टाचार का कोई सबूत नहीं मिला।

आगे कहा कि वे अदालत में कोई सबूत पेश नहीं कर पाए। उन्होंने मनीष सिसोदिया के कार्यालय और आवास पर छापा मारा। उन्हें वहां भी कुछ नहीं मिला। लेकिन बीजेपी को किसी सबूत की जरूरत नहीं है। बिना किसी सबूत के मनीष सिसौदिया को गिरफ्तार किया गया और अब वही कहानी संजय सिंह के साथ दोहराई जा रही है।

गोपाल राय ने पूछा आखिर गिरफ्तारी क्यों

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि अचानक ऊपर से निर्देश आया कि संजय सिंह को गिरफ्तार करो। उन्हें अरेस्ट कर लिया गया। आखिर, ये गिरफ्तारी क्यों हुई। बीजेपी के प्रवक्ता सुबह से बेसुरा राग अलाप रहे हैं। एमसीडी चुनाव में बीजेपी के नेता झूठी खबरें प्लांट करवाते थे। किसी तरह से दिल्ली में आम आदमी पार्टी को बदनाम किया जाए। क्योंकि, निगम चुनाव में सारे सर्वे कह रहे थे कि बीजेपी हार रही है।

इंडिया गठबंधन को तोड़ने की साजिश

उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी का सारा झूठा प्रचार धरा रह गया। आज देश में इंडिया गठबंधन बनने के बाद नई परिस्थिति बनी है। उम्मीद थी कि बेरोजगारी की समस्या का समाधान होगा। बीजेपी और नरेंद्र मोदी से आशा थी कि महंगाई कम होगी। गरीबी दूर होगी। आज लोगों को दो वक्त की रोटी नहीं मिल रही। पूरे देश में खौफ पैदा किया जा रहा है कि कोई भी खिलाफ बोलेगा तो ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स है।

पत्रकारों और टीएमसी पर कार्रवाई

आगे कहा कि आम आदमी पार्टी के एक या दो नहीं, सभी को गिरफ्तार कर लोगे, तो झुकने को तैयार नहीं है। लोकतंत्र के लिए आवाज उठाते रहे हैं और उठाते रहेंगे। देश में जिस तरह माहौल बनाया है। पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया। तृणमूल सांसदों को गिरफ्तार किया। बिना सबूत के संजय सिंह को गिरफ्तार किया। आज बीजेपी नेता कह रहे हैं कि और भी नेता गिरफ्तार होंगे। ये देश के दूसरे विधानसभा चुनाव हार रहे हैं।

ISIS का पूरा नेटवर्क खंगाल रही पुलिस

अरशद ने की थी आंतकी शाहनवाज की मदद; दिल्ली दंगों में भी था हाथ

नई दिल्ली। इस्लामिक स्टेट (आईएस) मॉड्यूल मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा तीन संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किए जाने के बाद मामले में नई जानकारी सामने आई है। पीएचडी छात्र अरशद और दिल्ली दंगों की साजिश मामले में कथित संलिप्तता सामने आई है।

संदिग्ध आतंकी पर सीएए-एनआरसी प्रोटेस्ट के दौरान दिल्ली में हुए दंगों की साजिश में भी अहम भूमिका होने का आरोप है। रिपोर्ट के मुताबिक, अरशद ने प्रोटेस्ट के दौरान तेरा मेरा रिश्ता क्या है, ला इलाहा इल्लल्लाह का नारा दिया था। आरोपी को 2020 के दिल्ली दंगों और शाहीन बाग घटनाक्रम से जोड़ा गया है।

जानकारी के लिए पीएचडी छात्र अरशद ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी के मोस्ट वांटेड आतंकवादी शाहनवाज को दिल्ली में रहने के लिए जगह दी थी। जो पुणे पुलिस की हिरासत से भाग गया था। उस पर तीन लाख रुपये का इनाम था। अरशद से पूछताछ के बाद ही दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल वांछित आरोपी शाहनवाज तक पहुंची। बीती दो अक्टूबर को दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने देश में हमले की साजिश रचने के आरोप में तीन लाख रुपये के इनामी आतंकी शाहनवाज को रिजवान और अरशद के साथ गिरफ्तार किया था।

शिक्षा निदेशालय का बड़ा फैसला, स्कूलों में बच्चों के दाखिले के लिए अभिभावकों का आधार अनिवार्य

नई दिल्ली। राजधानी के निजी स्कूलों में दूसरी से लेकर आठवीं तक की कक्षाओं में आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और वंचित समूह (डीजी) और दिव्यांग श्रेणी (सीडब्ल्यूएसएन) के विद्यार्थियों को दाखिले के लिए आवेदन करने के दौरान माता-पिता या अभिभावक का आधार कार्ड अनिवार्य होगा। शिक्षा निदेशालय के निदेशक हिमांशु गुप्ता ने कहा कि निदेशालय ने 12 जुलाई 2022 को निजी स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2023-24 से दाखिले के लिए ईडब्ल्यूएस, डीजी और सीडब्ल्यूएसएन के विद्यार्थियों के लिए आधार की अनिवार्यता की है।

बच्चे की निजता के अधिकार

हालांकि, दिल्ली हाई कोर्ट की एकल पीठ ने जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार के इस आदेश को लागू करने पर रोक लगाते हुए टिप्पणी दी कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के तहत निजी स्कूल में प्रवेश के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया में आधार कार्ड की अनिवार्यता बच्चे की निजता के अधिकार का संभावित उल्लंघन है।

गुप्ता ने कहा कि हाई कोर्ट का ये आदेश केवल बच्चों तक ही सीमित है। उन्होंने कहा कि इन श्रेणियों के आवेदनकर्ताओं की ओर से पते, नाम और व्यक्तिगत विवरण में हेरफेर करते कंप्यूटराइज्ड ड्रॉ में अपने चयन की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए कई आवेदन दाखिल किए जा रहे हैं।

जरूरतमंद बच्चे रह जाते है वंचित

उन्होंने कहा कि कई मामलों में यह भी देखा गया है कि ऑनलाइन आवेदन करते समय दी गई परिवर्तित जानकारी के कारण एक विद्यार्थी को कई स्कूलों में प्रवेश के लिए आवंटन मिला है। इस कारण दाखिले के लिए फ्रीशिप योजना के तहत लागू लाभकारी योजनाओं का उद्देश्य विफल हो जाता है। जरूरतमंद बच्चे वंचित रह जाते हैं।

महिला सब इंस्पेक्टर हत्याकांड: फर्जी आईडी से लिए सिम से सिर्फ मोनिका के परिवार को करता था फोन, वेश्यावृत्ति...

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की पूर्व सिपाही और यूपी पुलिस की सब इंस्पेक्टर (एसआई) मोनिका यादव की हत्या के राज छिपाने के लिए मुख्य आरोपी दिल्ली पुलिस के सिपाही सुरेंद्र सिंह राणा ने कई तरीके अपनाए। उसने मोनिका के परिजनों को गुमराह करने के लिए जो सिम और मोबाइल लिया था उससे सिर्फ मोनिका के परिजनों को ही फोन किया जाता था।

इसके अलावा सुरेंद्र और रोबिन उस मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करते थे। मुख्य आरोपी सुरेंद्र, साथी रोबिन को पंजाब और हरियाणा में कई जगह भेजकर मोनिका के परिजनों को फोन करवाता था। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने आरोपी सुरेंद्र को तीन दिन के लिए फिर से रिमांड पर लिया है।

अपराध शाखा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रोबिन से फोन करवाने के बाद सुरेंद्र मोबाइल को कब्जे में ले लेता था। वह मोबाइल बंद कर अलमारी में रख देता था। जब इसे फोन कराना होता था तो वह फिर रोबिन को मोबाइल दे देता था। रोबिन ने इस मोबाइल से

मोनिका के परिजनों को पांच-छह फोन किए थे।

इसके लिए रोबिन पंजाब व हरियाणा में कई जगह गया था। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त संजय भाटिया के नेतृत्व में एसीपी रविंद्र राजपूत व इंस्पेक्टर राजीव कक्कड़ की टीम इन जगहों पर जाकर आरोपी से उनकी पहचान करवा रही है। इस मोबाइल नंबर को लेने के लिए सुरेंद्र ने फर्जी आधार कार्ड कहीं से लाकर दिया था।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी मोनिका का फोन बरामद नहीं किया गया है। आरोपी का कहना है कि उसने मोनिका का मोबाइल जला दिया। कभी कहता है कि उसने फोन नहर में फेंक दिया। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि पांच दिन का पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद उसे बुधवार को कोर्ट में पेश किया। अपराध शाखा ने यह कहते हुए कि मोनिका का मोबाइल बरामद करना है, फिर से रिमांड मांगा। अदालत ने सुरेंद्र को फिर तीन दिन के रिमांड पर दिल्ली पुलिस को सौंप दिया।

वेश्यावृत्ति करने वाली महिला को साथ लेकर गया था

आरोपी रोबिन यह दिखाना चाहता था कि मोनिका उसके पास है। वह एक बार फोन करने हरियाणा गया था। साथ में नरेला से वेश्यावृति करने वाली महिला को भी साथ ले गया। उसने महिला को साथ चलने के 2000 रुपये दिए थे। वह फोन करने तो पांच-छह जगह गया था, मगर महिला को वह एक ही जगह लेकर गया।

मोनिका की एक ही रिकार्डिंग थी

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सुरेंद्र के पास मोनिका की एक ही रिकॉर्डिंग थी। यह रिकॉर्डिंग उसने मोनिका से बात करते हुए की थी। वह रिकार्डिंग में मोनिका को समझा रहा है और कह रहा है कि अपने घर चली जाए। रिकार्डिंग को उसने एडिट किया हुआ था। वह रोबिन के जरिये परिजनों को मोनिका की आवाज सुना देता था। इससे परिजनों को लगता था कि मोनिका जिंदा है।

संदेह करने लग गए थे परिजन

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कुछ महीनों बाद मोनिका के परिजन सुरेंद्र पर संदेह करने लग गए थे। परिजन उससे मोनिका के बारे में पूछने लगे थे। वह कहता था कि उसकी मोनिका से बात हो गई है। वह ठीक है। सुरेंद्र ने कुछ नहीं बताया तो परिजन मुखर्जी नगर थाने में गए थे, मगर पुलिस ने जांच के नाम पर कुछ नहीं किया।

गाज़ियाबाद में हिन्दू रक्षा दल अध्यक्ष पिंकी चौधरी पर लगा गुंडा एक्ट

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने हिन्दू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी उर्फ पिंकी भैया पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई की है। पिंकी चौधरी पर यह कार्रवाई हिंदुओं के लिए आपत्तिजनक शब्द बोलने को लेकर हुई है। बीते दो दिनों पर उन पर तीन मुकदमे दर्ज किए गए हैं। उनके खिलाफ थाना साहिबाबाद में गुंडा एक्ट का नया मुकदमा दर्ज किया गया है। दरअसल, 23 सितंबर को शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में नाले में गोवंश के अवशेष मिले थे। अवशेष मिलने की सूचना पर पिंकी चौधरी अपने समर्थकों सहित पहुंचे थे। यहां वे फेसबुक लाइव पर आए और हिन्दुओं के लिए आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया।

शालीमार गार्डन थाना पुलिस ने इस मामले में 2 अक्टूबर को पिंकी चौधरी पर एफआईआर दर्ज की। इसके बाद 2 अक्टूबर को राजनगर एक्सटेंशन में पुलिस द्वारा 'जय माता दी' स्टीकर लगे वाहन का चालान काटने पर हिन्दू रक्षा दल ने हंगामा किया और धरना दिया। वहां भी पिंकी चौधरी ने ट्रैफिक पुलिसकर्मी से अभद्रता की, उसका मोबाइल छीनने का प्रयास किया था। इस मामले में हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार ने थाना नंदग्राम में भूपेंद्र चौधरी उर्फ पिंकी भैया व 10-12 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। अब 3 अक्टूबर को साहिबाबाद पुलिस ने पिंकी चौधरी के खिलाफ गुंडा एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इसमें पुराने चार मुकदमों का हवाला दिया है, जो अलग-अलग थानों में दर्ज हैं। डीसीपी शुभम पटेल ने बताया, पिंकी चौधरी पर पूर्व में कई मुकदमे दर्ज हैं। इस आधार पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई की गई है। बताया जाता है कि पिंकी को जिला बदर की भी तैयारी है।

सामूहिक विवाह में फर्जीवाड़ा: बैंक खातों की जांच में कई अफसरों पर आएगी आंच, 90 खातों में 76 निकले यूपीआइ

गाजियाबाद। श्रम विभाग ने कमला नेहरू नगर स्थित पार्क में नवंबर 2022 में श्रमिक कन्या विवाह सहायता योजना के तहत सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें गाजियाबाद के अलावा हापुड़ और बुलंदशहर से आए तीन हजार से अधिक जोड़े शामिल हुए थे, जिसमें बड़े पैमाने पर विवाह के नाम पर फर्जीवाड़े का आरोप लगाते हुए किसान संगठन ने लोकायुक्त से शिकायत की थी।

लोकायुक्त के आदेश पर जिला प्रशासन की तीन सदस्यीय कमेटी ने 171 मामलों की जांच की, जिसमें लगभग शत-प्रतिशत विवाह के मामले फर्जी पाए गए थे।

अब बैंक खातों की शुरूआती जांच में अनपढ़ श्रमिकों के फिनो व एयरटेल यूपीआइ में पैसा भेजना मिला। इस पैसे को हाथों हाथ अन्य खातों में ट्रांसफर किया गया है।

फर्जीवाड़े की जांच में मिल रहे कई चौंकाने वाले तथ्य

पहली सूची में 90 में से 76 श्रमिकों के खाते फिनो और एयरटेल यूपीआइ के निकल चुके हैं। धीमी गति से ही सही, लेकिन श्रम विभाग

की ओर से कराए गए सामूहिक विवाह में फर्जीवाड़े की जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य निकलकर सामने आ रहे हैं। गत दिनों किसान संगठन के पदाधिकारी गजेंद्र शर्मा ने सामूहिक विवाह में फर्जीवाड़े का मुद्दा उठाया, लेकिन शासन प्रशासन की ओर से इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया, जिसके बाद शिकायतकर्ता ने लोकायुक्त का दरवाजा खटखटाया और लोकायुक्त ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दिए। जांच में फर्जीवाड़ा सामने आया। अनपढ़ लाभार्थी ऐसे भी निकले, जिन्हें पता ही नहीं और उनकी पुत्री का विवाह भी हो गया। कई ऐसे मामले थे, जिनकी पुत्रियां न होते हुए भी उनका विवाह कराकर 82-82 हजार रुपये का शादी अनुदान भी ले लिया गया।

फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद अब खातों की जांच के लिए तीन सदस्य कमेटी बनाई गई है, जिसमें सिटी मजिस्ट्रेट शुभांगी शुक्ला, अग्रणी बैंक प्रबंधक, वित्त एवं लेखाधिकारी को रखा गया है।

200 करोड़ की संपत्ति पर थी फर्जी शादी करवाने वाले गिरोह की नजर, हिस्ट्रीशीटर की कार्रवाई की तैयारी

मोदीनगर। फर्जी तरीके से शादी दिखाकर संपत्ति हड़पने वाले गिरोह का नेटवर्क पूरी तरह ध्वस्त करने की पुलिस तैयारी में है। आरोपितों द्वारा अवैध कृत्यों से अर्जित की गई संपत्ति का पुलिस आंकलन करने में जुटी है। पुलिस हरियाणा स्थित सोनीपत के रोहट में भी जाएगी।

प्रीति व उसकी मौसी नीलम और हिस्ट्रीशीटर सचिन की बहन प्रवेश की भी तलाश में पुलिस लगी हैं। इसको लेकर टीम का गठन किया गया है। उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही हैं। उनसे पूछताछ में अन्य जानकारी पुलिस के हाथ लगने से इन्कार नहीं किया जा सकता है। अंदेशा है कि आरोपितों ने लोगों को ठगकर अपार संपत्ति अर्जित कर रखी है। उधर, पुलिस ने विवेचना में सचिन, प्रीति के अलावा नीलम व प्रवेश का नाम भी शामिल कर दिया हैं। अब तक आरोपितों द्वारा कराई गई तीन शादियों का ही रिकार्ड पुलिस जांच में सामने आया है।

आरोपित सचिन ने इन्हें पुलिस के सामने कबूला भी है। इन तीन शादियों को ही पुलिस ने विवेचना का आधार भी बनाया है। पुलिस के मुताबिक, तीन के अलावा अभी अन्य किसी शादी का रिकार्ड सामने नहीं आया है। इन तीन परिवारों को पुलिस ट्रेस कर रही हैं। पुलिस इनके यहां पहुंचकर उनके बयान दर्ज करेगी। जिन्हें विवेचना में शामिल किया जाएगा।

फिलहाल इन परिवारों के नाम पुलिस ने गोपनीय रखे हैं। इन्हें अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। आरोपित संगठित तरीके से वारदात को अंजाम देते थे। इसलिए पुलिस इनपर गैंगस्टर की कार्रवाई करने की तैयारी में है। जिससे इस तरह से कोई अन्य आरोपित लोगों को ठगने की सोच भी ना सके। इसको लेकर मुरादनगर थाने में गैंग चार्ट दर्ज होगा। इस गैंग में सचिन गिरोह का सरगना व अन्य गुर्गे रहेंगे। इसका अलग से मुकदमा भी दर्ज होगा।

शिवम की पहले भी शादी का दावा

यह पहली बार नहीं है कि किसी ने शिवम से शादी का दावा किया हो। इससे पहले दो परिवार और शादी का दावा कर चुके हैं। इसमें एक परिवार पंजाब का व दूसरा दिल्ली का है। दिल्ली की भावना उर्फ ऋषिका और पंजाब की श्रेया से शादी का नाम सामने आया है।

पुलिस ने इस बिंदु पर भी काम शुरू कर दिया है। इन परिवार के लोगों का कहना है कि शिवम से तलाक नहीं हुआ है। दोनों शादी रीति-रिवाज से हुई थी। जिनका उनके पास रिकार्ड भी है। शादी के फोटो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। उनका कहना है कि उन्होंने इसको लेकर कोर्ट में वाद भी दायर किया है। मुरादनगर में इसकी चर्चा है। लोग इसे निजी स्वार्थ से भी जोड़कर देख रहे हैं। अंदेशा यह भी है कि शिवम की संपत्ति में हिस्से को लेकर ये षड्यंत्र रचा।

बात पर अड़ी रही प्रीति, जांच में खुला राज

प्रीति ने आकांक्षा को घर में नौकरानी ही बताया था। उसके हाव भाव देख उन्हें शक हुआ और उन्होंने प्रीति से एक पेपर पर लिखवा लिया कि वह यहां पर नौकरानी ही है।

अगस्त 2023 में सुधा को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां आठ अगस्त को उनकी मौत हो गई। अंतिम संस्कार के बाद डॉ. आकांक्षा ने प्रीति को नौकरी छोड़ने को कह दिया और पति के साथ मां के घर शिफ्ट हो गईं ताकि शिवम की देखभाल कर सकें। इस पर प्रीति भड़क गई और कहा कि उसकी शिवम से शादी हो गई है। साथ ही पुलिस को शिकायत भी दे दी कि उसे घर से निकाल दिया गया है।

कई बार वह सचिन, प्रवेश और नीलम को लेकर उनके घर में घुस गई। कई बार पुलिस उनकी सूचना पर भी पहुंची। संपत्ति हाथ से निकलती देख चारों उन्हें धमकी देने लगे थे। लेकिन पुलिस जांच हुई तो मामले का पर्दाफाश हुआ।

आकांक्षा से कहा कि उसकी शादी शिवम से हो चुकी हैं। जबकि प्रीति को इस बारे में नहीं पता था। प्रीति की हरकतों पर शक होने पर उन्होंने पुलिस से शिकायत की। पुलिस जांच में मामले का पर्दाफाश हुआ।

नोएडा में सड़क के किनारे दोस्त से मोबाइल पर बात कर रहे युवक का आईफोन लूटकर बदमाश

नोएडा। सेक्टर-63 में सड़क के किनारे एक युवक अपने दोस्त से मोबाइल पर बात कर रहा था। इसी दौरान बाइक पर सवार होकर आये दो बदमाशों ने उसका आईफोन लूटकर फरार हो गए। इस घटना में युवक घायल भी हो गया। थाना सेक्टर-63 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार मान ने बताया कि सेक्टर-63 पुलिस को दी शिकायत में दिल्ली के उत्तम नगर निवासी रवि प्रशांत ने बताया है कि वह सेक्टर-63 में सड़क किनारे खड़े होकर मोबाइल फोन पर अपने दोस्त से बात कर रहा था तभी पीछे से काले रंग की बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए और झपट्टा मारकर मोबाइल छीन लिया। इस दौरान रवि नीचे गिरकर घायल भी हो गया। घटना के बाद मोबाइल की लोकेशन

गाजियाबाद स्थित राजेंद्र नगर और पसोंदा में मिली। लोकेशन मोबाइल ट्रेकिंग से प्राप्त की जा रही थी। घटना के बाद शिकायतकर्ता के मोबाइल पर दो बार अनजान नंबर से कॉल भी आई। इसके बाद से लगातार शिकायतकर्ता को जाली लिंक भेजकर मोबाइल संबंधी आईडी और पासवर्ड की जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला जा रहा है। उन्होंने बताया कि बदमाशों के बारे में पुलिस को अहम सुराग मिले हैं, उन्हें शीघ्र पकड़ लिया जायेगा।

एसीपी रजनीश वर्मा को जनता की सेवा में अव्वल आने पर 'नोवरा सम्मान'

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर ।- नोएडा विलेज रेसिडेंट्स एसोसिएशन (नोवरा) द्वारा आज शहर के जोन -1 के एसीपी श्री रजनीश वर्मा को 'नोवरा सम्मान ' से अलंकृत किया गया , गौरतलब है की हाल ही में एसीपी जोन - 3 को सरकारी आंकड़ों में सबसे खराब दस क्षेत्रों में शामिल किये जाने के बाद गौतम बुद्ध नगर पुलिस की किरकिरी हुई थी। आम जनता और ग्रामीणों की समस्याओं को सुलझाने के लिए मिला अवार्ड नोवरा अध्यक्ष श्री रंजन तोमर ने संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा की श्री रजनीश वर्मा एक आदर्श अधिकारी हैं , इनके आने

के बाद संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों को साथ लेकर चलने , उनकी समस्याओं को कम्युनिटी पुलिसिंग के माध्यम से सुलझाने हेतु मीटिंग की गई , जिसके परिणाम बेहद सुखद आये , कई पारिवारिक मामलों को थाने स्तर पर ही सामाजिक लोगों और संस्थाओं के साथ मिलकर सुलझा लिया गया , कई मामलों में आम जनता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज हुई जहाँ उनकी सुनवाई तक नहीं होती थी , अपने क्षेत्र के निवासियों के लिए बनाये गए व्हाट्सप्प ग्रुप के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों की समस्याओं को एसीपी रजनीश सुनते और उनपर कार्यवाही करते हैं , शहर और गाँव के सामाजिक लोगों को साथ लेकर बहुत सी समस्याओं को सुलझाने में रजनीश वर्मा का बहुत बड़ा योगदान है , नॉएडा में एडीसीपी रहे श्री रणविजय सिंह के बाद जनता से जुड़कर काम करने वाला पहला पुलिस अधिकारी यदि कोई है तो वह श्री रजनीश वर्मा हैं।इस दौरान श्री रजनीश वर्मा ने कहा की वह ऐसे ही ग्रामीण क्षेत्रों समेत अपने पुरे क्षेत्र में पूरी तन्मयता से कार्य करते रहेंगे , उनका कार्यशैली ही ऐसी है की वह जनता से जुड़कर और उनकी समस्याओं के समाधान को अपना ध्येय मानते हैं। संस्था की तरफ से उपाध्यक्ष श्री अजय चौहान ने शाल पहनाकर , महासचिव श्री पुनीत राणा , नितीश चौहान एवं अट्टा समिति के विकास अवाना ने मिलकर नोवरा अवार्ड श्री रजनीश वर्मा को भेंट किया।

संक्षिप्त डायरी

ग्रेटर नोएडा में ग्रैप के उल्लंघन पर 10 प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की गई

संवाददाता

नोएडा, । उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के ग्रेटर नोएडा में ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) का उल्लंघन करने पर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) ने मंगलवार को 10 प्रतिष्ठानों पर जुमार्ना लगाया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यूपीपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी देव कुमार गुप्ता ने बताया कि सभी पर 50- 50 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया है। उन्होंने बताया कि एक अक्टूबर से ग्रैप लागू किया जा चुका है। इसकी अनुपालना को सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को ग्रेटर नोएडा में कई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। पाया गया कि गौतम बुद्ध बालक इंटर कॉलेज के पास इकोटेक-तीन के उद्योग केंद्र खंड मे सात रेडी मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) प्लांट में नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है, वहां निर्माण सामग्री खुले में पड़ी थी। उन्होंने बताया कि इन पर 50-50 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया गया है। क्षेत्रीय अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा एक पैकेजिंग कंपनी और निर्माण सामग्री की दो दुकानों पर भी 50-50 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया गया है।

शिक्षिका से दुष्कर्म के आरोपी स्कूल मालिक गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा, । शिक्षिका ने सेक्टर सिग्मा-3 स्थित निजी स्कूल के मालिक पर दफ्तर में बुलाकर दुष्कर्म करने और अश्लील वीडियो बनाने का आरोप लगाया। पीड़िता की शिकायत पर पांच दिन पहले पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शहर निवासी शिक्षिका 26 सितंबर को स्कूल मालिक की शिकायत लेकर सेक्टर बीटा-2 कोतवाली पहुंची। शिक्षिका ने पुलिस को बताया कि वह सेक्टर सिग्मा-3 के निजी स्कूल में कार्यरत है। उनका आरोप है कि करीब छह महीने

पहले स्कूल के मालिक मोहित नागर ने उसे अपने दफ्तर में बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। मोहित ने अश्लील वीडियो भी बना लिया। वह घटना के दिन से वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसका उत्पीड़न करता आ रहा है। आरोपी की हरकत से तंग आकर पीड़िता ने इस घटना के बारे में अपने पति को बताया। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने 29 सितंबर को स्कूल के मालिक आरोपी मोहित नागर निवासी इमलिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद सोमवार को पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल के लिए बुलवाया। उसको मेडिकल के लिए भी अस्पताल में इधर उधर भटकना पड़ा। अब इस मामले में पुलिस ने स्कूल के मालिक आरोपी मोहित नागर को गिरफ्तार किया है।

25 शॉपिंग काम्पलेक्स का किया फायर सेफ्टी ऑडिट

नोएडा, । अग्निशमन विभाग की टीम नियमित रुप से अभियान चला कर शॉपिंग मॉल, कंपनी,फैक्ट्री,अस्पताल,स्कूल और कॉलेजों में आग से बचाव को लेकर किए गए प्रबंध की जांच कर रही है। इसी क्रम में बुधवार को अग्निशमन विभाग की टीम ने जनपद के 25 शॉपिंग कॉम्पलेक्स का दौरा करके वहां पर आग से बचाव के लिए किए गए प्रबंधन की जांच किया है। सीएफओ प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि शासन के आदेश पर जनपद में आग से सुरक्षा को लेकर नियमित अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान विभाग की टीम बुधवार को जनपद में संचालित हो रहे 25 शॉपिंग कॉम्पलेक्स में गई। जहां पर आग से बचाव को लेकर कॉम्पलेक्स के अंदर लगे उपकरणों की जांच किया। इसके साथ ही जहां पर कुछ खामी मिली है, उनको तत्काल इसे सही कराने के लिए निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही विभाग की टीम ने आग से बचाव को लेकर इन सभी जगहों पर मॉक ड्रिल भी किया। जिसमें कॉम्पलेक्स के कर्मचारियों ने बढ़ चढ़- कर हिस्सा लिया। कर्मचारियों को आग लगने की आपात स्थित में पानी की पाइप का प्रयोग करने फायर एक्सटिंग्विशर चलाने का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही उनको आग लगने की हालत में सीढ़ियों का प्रयोग करने के बारे में बताया गया।

पीजी के छात्रों को डिसर्टेशन में एक और अवसर

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा,। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के सत्र 2022-23 के एमटेक, एम फार्मा एवं एम आर्क पाठ्यक्रम के रेगुलर एवं कैरीओवर छात्राओं के डिसर्टेशन यानी प्रोजेक्ट रिपोर्ट के मूल्यांकन परीक्षाओं में कुछ छात्रों द्वारा प्रथम चरण में आवेदन नहीं किया गया था या वे अयोग्य पाए गए थे, ऐसे छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय ने एक और अवसर दिया है। ऐसे छात्र का आवेदन संस्थान को अपने निर्देशक ईआरपी लॉगिन से 5 अक्टूबर से 15 अक्टूबर के बीच अपलोड करना होगा। साथ ही सभी जानकारी और सेशनल के साथ ही थीसिस का एमएस वर्ड फॉरमैट अपलोड करना होगा। अभ्यर्थियों को इसके बाद अपने ईआरपी लॉगिन से निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। छात्र-छात्राओं के डिसर्टेशन का मूल्यांकन एवं मौखिक परीक्षा लखनऊ में आयोजित की जाएगी।

शारदा यूनिवर्सिटी और फिनलैंड के बीच एमओयू हुआ

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित शारदा यूनिवर्सिटी के शारदा स्कूल ऑफ नर्सिंग साइंस एंड रिसर्च और इंटरनेशनल प्लेसमेंट सेल की तरफ से फिनलैंड में नर्सिंग कर्मियों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव और परामर्श सत्र के संबंध में नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनएसडीसी) इंटरनेशनल के सहयोग से सेमिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान फिनलैंड और शारदा यूनिवर्सिटी के बीच एमओयू साइन किया गया। कार्यक्रम के दौरान फिनलैंड से आए इंटरनेशनल रिक्रूटमेंट के डायरेक्टर आर्टो हेमकैनेन ने बताया कि फिनलैंड में नर्सिंग

स्टूडेंट्स के लिए हॉस्पिटल में काम करने आपार संभावनाएं है। फिनलैंड के अस्पताल काम करने के लिए भारतीय नर्सों की तलाश कर रहा है। नर्सें काम कर सकती हैं और अधिक वेतन पा सकती हैं । बेहतर भविष्य के लिए लचीले काम के घंटों का भी लाभ उठा सकती हैं। शारदा स्कूल ऑफ नर्सिंग साइंस एंड रिसर्च एसोसिएट डीन आर श्रीराजा कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में 120 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया और 30 स्टूडेंट्स ने फिनलैंड में काम करने के लिए रजिस्ट्रेशन करा लिया है। शारदा यूनिवर्सिटी में फिनलैंड अपना सेंटर खोलेंगे और स्टूडेंट्स को जर्मनी , जापान, यूएसए और मिडिल ईस्ट देशों में काम करने के लिए जानकारी दी जाएगी।कार्यक्रम में शारदा यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर डॉ सिबाराम खारा ,एलिसा वेप्सलैनेन ,साइमन एलिस्क, अजय रैना,डॉ विकास यादव,डॉ विभा ठाकुर,क्रिस्टा मैथ्यू और चित्रा दिवाकरन आदि लोग मौजूद रहे।

रयान समूह ने अंतरराष्ट्रीय शिक्षा कैरियर मेला

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा, । रयान इंटरनेशल स्कूल में कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय शिक्षा मेले का आयोजन किया गया। रेयान समूह के चेयरमैन डॉ. एएफ पिंटो का मानना है कि इस स्तर पर छात्रों को अपनी पसंद के अनुसार अपना करियर चुनने का अवसर मिलेगा। जी-20 शिखर सम्मेलन की सफलता के बाद छात्रों को एहसास हुआ कि उनकी क्षमता केवल भारतीय विश्वविद्यालयों तक ही सीमित नहीं रह सकती, बल्कि वे अपनी पसंद के अनुसार विभिन्न अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में भी पाठ्यक्रम चुन सकते हैं। इस कार्यक्रम में रेयान इंटरनेशनल स्कूलों के करीब 1000 छात्रों ने हिस्सा लिया। अमेरिका, ब्रिटेन और

कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड के 17 विश्वविद्यालयों ने छात्रों को उपलब्ध पाठ्यक्रमों, प्रवेश की प्रक्रिया और उसके लिए आवश्यक दस्तावेजों के बारे में जानकारी देने के लिए अपने स्टॉल लगाए गए। प्रधानाचार्य सुधा सिंह ने कैरियर विकल्प की आवश्यकताओं को समझाया।

सोसाइटी में गंदे पानी की आपूर्ति होने से निवासी परेशान

ग्रेटर नोएडा, । गुलमोहर इस्टेट पॉकेट ई सोसायटी में बुधवार को गंदे पानी की आपूर्ति हुई। निवासियों का आरोप है कि पिछले एक महीने से सेक्टर में पानी की समस्या से लोगों को जूझना पड़ रहा है। कभी गंदा पानी आता है तो कभी जल आपूर्ति बाधित हो जाती है। मंगलवार को पूरे दिन सेक्टर में पानी की आपूर्ति नहीं हुई। जिसके कारण लोगों को रोजमर्रा के कार्य करने में दिक्कत हुई। आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी का कहना है कि प्राधिकरण से कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती है। शिकायत करने के बाद भी अधिकारी सोसाइटी में समस्या का समाधान करने तक नहीं आते हैं। सबसे ज्यादा दिक्कत महिलाओं को रोजमर्रा के कार्य करने में होती है। अधिकारियों के लापरवाही का हर जाना लोगों को भुगतना पड़ रहा है। गुलमोहर इस्टेट पॉकेट ई सोसायटी के अध्यक्ष संजीव धामा ने बताया कि पिछले कई दिनों से सोसाइटी के पानी के सप्लाई में दिक्कत हो रही है। शिकायत करने के बाद एक-दो दिन पानी ठीक आता है। फिर से सप्लाई पानी मैं दिक्कत होने लगती है। सुबह से गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है। पानी का रंग एकदम कल या पीला होता है। जिसमें मिट्टी की मात्रा अधिक होती है। बाल्टी की सतह भी दिखाई नहीं देती है। कभी-कभी तो पानी में से अजीब तरह की दुर्गंध आती है। सुबह, दोपहर और शाम सप्लाई में गंदा पानी आ रहा है। सबसे ज्यादा दिक्कत महिलाओं को होती है। सप्लाई का पानी गंदा होने के कारण उसका इस्तेमाल महिला खाना बनाने और अन्य कार्य करने में भी नहीं कर पती है। उन्होंने बताया कि शिकायत करने पर कभी पाइपलाइन फटने और गंगाजल की सप्लाई की वजह से गंदा पानी आने का बहाना बना दिया जाता है। निवासियों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

घर बैठे लाखों कमाने का झांसा देकर महिला से ठगी

नोएडा, । साइबर अपराधी ने सेक्टर-78 स्थित अंतरिक्ष गोल्फ व्यू-2 निवासी महिला को घर बैठे पार्ट टाइम नौकरी कर लाखों कमाने का झांसा देकर ढाई लाख रुपये ऐंठ लिए। पीड़िता ने इस मामले में सेक्टर-113 थाने में केस दर्ज कराया है। पीड़िता उर्वशी गर्ग ने पुलिस को बताया कि उनके पास व्हाट्सऐप पर एक मैसेज आया, जिसमें घर बैठे डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन ट्रेडिंग करके लाखों रुपये कमाने की बात की गई थी। उन्होंने मैसेज में दिए नंबर पर बात की तो उनको टेलीग्राम के एक ग्रुप में जोड़ दिया गया। इसके बाद आरोपियों ने उनको कुछ टास्क दिया। इससे उनको कुछ फायदा हुआ। दूसरे टास्क में उनसे ऑनलाइन ट्रेडिंग करने के लिए कहा गया। इससे उनको फायदा हुआ, लेकिन जब उनकी रकम लाखों में पहुंच गई तो उनके अकाउंट को बंद कर दिया गया। इसके बाद फिर से अकाउंट को खोलने का झांसा देकर आरोपियों ने उनसे दो लाख 62 हजार रुपये हड़प लिए।

पितृ पक्ष के चलते बाजार में रौनक हुई कम

संवाददाता

नोएडा, । श्राद्ध पक्ष के चलने बाजार में रौनक कुछ कम हो गई है। ऐसे में शहर के व्यापारियों द्वारा ग्राहकों को लुभाने के लिए गहनों की खरीदारी के साथ-साथ कपड़ों और अन्य उत्पाद पर बंपर छूट दी जा रही है। दरअसल हिंदु धर्म में पितृेश्वरों को श्राद्ध तर्पण मुक्ति के लिए विशेष क्रिया कर अर्घ्य समर्पित करते हैं। ऐसी मान्यता है कि पितृपक्ष के समय में कोई नई शुरूआत या फिर किसी नई वस्तु को नहीं खरीदते। यही कारण है कि श्राद्ध के समय बाजारों की रौनक गायब हो जाती है। इस बार 29 सितंबर से 14 अक्तूबर तक श्राद्ध का समय है। युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकाश जैन का कहना है कि श्राद्ध के चलने व्यापार कुछ कम चल रहा

है। बाजार में ग्राहकों की सख्यां काफी कम है। इसके लिए व्यापारियों द्वारा ग्राहकों को लुभाने के लिए तरह-तरह के ऑफर दिए जा रहे हैं। बुकिंग पर उसी मूल्य में मिलेंगे गहने पितृ पक्ष में सोने के दाम में काफी गिरावट आई है। इसके चलते व्यापारी भी ग्रहकों को ऑफर दे रहे हैं। सेक्टर-18 में व्यापारी एसके जैन ने बताया कि पितृ पक्ष में गहनों की बुकिंग कराते हैं और नवरात्र में उनकी डिलीवरी लेते हैं तो सोने का भाव तेज होने पर भी उसी मूल्य में मिलेंगे, जिस दिन बुकिंग कराई थी। नवरात्र शुरू होते ही सोने के भाव बढ़ जाएंगे। इससे गहनों की खरीदारी करने का अनुकूल माहौल पितृ पक्ष में है। टल जाते हैं शुभ कार्य सनातन धर्म मंदिर के हरेंद्र नाथ दुबे ने बताया कि इस साल श्राद्ध पक्ष 15 दिन की बजाए 16 दिन के रहने वाले हैं। 14 अक्तूबर को श्राद्ध एवं तर्पण अंतिम होगा। शारदीय नवरात्रि की शुरूआत 15 अक्तूबर से होगी। इसके बाद सभी शुभ कार्य शुरू होंगे। पितृ पक्ष के दौरान कुछ समय के लिए शुभ कार्यों को टाला जाता है।

जहां भी नाबालिग बच्चे काम करते मिले उनके मालिकों पर एफआईआर दर्ज कराएं

हिसार। बच्चों को अपने अधिकारों के बारे में जानकारी नहीं होती है, इसलिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करें ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकें। यह कहना है हरियाणा बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य गणेश कुमार व सुमन राणा का। वो बरवाला खण्ड के स्कूलों का दौरा करने के बाद ए. एम. इंटरनेशनल स्कूल के अध्यापकों को सम्मानित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने ए. एम. इंटरनेशनल स्पोर्ट्स स्कूल खरक पूनिया, राजकीय वरिष्ठ विद्यालय खरक पूनिया व गीता फूड्स फर्म का औचक निरीक्षण करने के सिलसिले में बरवाला आए थे। इस मौके पर ए. एम. इंटरनेशनल स्कूल में हरियाणा बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य गणेश कुमार व सुमन राणा ने अध्यापकों को बताया कि बाल अधिकार संरक्षण के तहत बच्चों को फ्री शिक्षा का अधिकार, बच्चों का संरक्षण अधिकार, जीवन रक्षा का अधिकार, विकास का अधिकार और बच्चों को बात रखने का अधिकार है। इसके अलावा उन्होंने जेजे एक्ट, राइट टू एक्ट, चाइल्ड लेबर, पॉक्सो एक्ट 2012 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इससे पहले स्कूल की निदेशिका सुदेश चहल पूनियां ने उन्हें अपने स्कूल में बच्चों के अधिकारों को सुरक्षित रखने की विस्तार से जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि उनके स्कूल में सुझाव पेटी को उचित स्थान पर लगाया गया है। इसके अलावा इसे एस. एम. सी. कमेटी के सामने ही खोला जाता है। साथ ही उनके स्कूल में अभिभावक, अध्यापक एवं विद्यार्थियों के मध्य विचार विमर्श के लिए तालमेल कमेटी का गठन किया गया है। इससे पहले हरियाणा बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य गणेश कुमार ने इससे पहले क्षेत्र के अलग-अलग विभागों के अधिकारियों को चेताया कि वो समय-समय पर होटल, ढाबों, दुकानों व अन्य स्थानों का निरीक्षण करें और जहां भी नाबालिग बच्चे काम करते मिले, उनके मालिकों पर अविलंब एफआईआर दर्ज करवाएं। हरियाणा बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य गणेश कुमार व सुमन राणा ने खरक पूनिया के सरकारी स्कूल का भी दौरा किया। मगर वहां पर विद्यार्थियों की अर्धवार्षिक परीक्षा के चलते वो बच्चों से रुबरु नहीं हो पाएं। हालांकि उन्होंने प्राचार्य बत्रा जी व मैडम मंजीत के साथ समीक्षा की। इस दौरान समाजसेवी वजीर सिंह पूनिया सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जीवन का हर पल है महत्वपूर्ण इसे जिम्मेदारी व आनन्दपूर्ण होकर जीना चाहिए: उपायुक्त

पानीपत। भारतीय प्रबंधन संस्थान रोहतक के 18 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक नगरी में कृषि, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में हो रही प्रगति को लेकर किसानों, ग्राम पंचायत, सरपंचों और आम व्यक्ति से मिलकर एक महत्वपूर्ण डाटा तैयार किया है जिसे आगामी दिनों में मुख्यमंत्री कार्यालय भेजा जाएगा। यह 20 सदस्य प्रतिनिधि मंडल बुधवार को उपायुक्त कार्यालय पहुंचाजहां उपायुक्त डॉ. वीरेन्द्र कुमार दहिया से शिष्टाचार पूर्वक मुलाकात की। उपायुक्त ने प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों के साथ बातचीत की व हम अपनी जीवन शैली को कैसे बेहतर बना सकते हैं इस पर विद्यार्थियों को कुछ टिप्स दिए। उपायुक्त ने कहा कि जीवन का हर पल महत्वपूर्ण है हमें इसे जिम्मेदारी व आनन्दपूर्ण होकर जीना चाहिए। जीवन जीने के लिए हमारा स्वास्थ्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमें स्वास्थ्य के प्रति हमेशा सचेत होकर कार्य करना चाहिए। उपायुक्त ने बताया कि हमें प्रारंभ में ही अपने लक्ष्यों को निर्धारित कर उसे ईमानदारी व मेहनतकरके हासिल करना होगा इसके लिए कठिन मेहनत की आवश्यकता होगी। हमें अपने आपको तैयार करके आगे बढना होगा।

उपायुक्त ने कहा कि जो युवा ईमानदारी से मेहनत करके आगे बढ़ते हैं वे अपने लक्ष्य को तो हासिल करते ही हैं साथ-ही-साथ अन्य के लिए भी प्रेरणादायक साबित होते हैं। स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के इस प्रतिनिधि मंडल ने पहले दिन 250 के करीब विभिन्न बीमारियों के रोगियों से सामान्य अस्पताल में मुलाकात की व सरकार द्वारा स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने आयुष विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की वर्तमान स्थिति के बारे में भी पता लगाया। प्रतिनिधि मंडल के प्रोफेसर आदित्य कुमार साहू ने बताया कि यह प्रतिनिधि मंडल पानीपत में 3 दिन अपना शोधकार्य जारी रखेगा। इसमें कृषि व

शिक्षा में हो रही प्रगति के बारे में भी शोध कर डाटा संग्रहित करेगा। उपायुक्त से मिलने से उपरान्त प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों को नगराधीश राजेश सोनी ने प्रशासन कैसे कार्य करता है व प्रशासन किस तरह से आमजन की समस्याओं का कैसे निदान करता है के बारे में जिला सभागार में विद्यार्थियों से रूबरू होकर विस्तार से जानकारी दी व विद्यार्थियों से सुझाव मांगे की प्रशासन व शासन को कैसे और बेहतर बनाया जा सकता है इस पर विद्यार्थियों ने अपने सार्मथ्य अनुसार प्रकाश डाला। विदित रहे कि इस 20 सदस्यों के प्रतिनिधि मंडल में 18 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के अलावा 1 शोध छात्र व 1 प्रोफेसर शामिल हैं जो केन्द्र व राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में आमव्यक्ति से मिलकर उनकी प्रगति के बारे में डाटा तैयार करते हैं। प्रोफेसर साहू ने बताया कि विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में भी प्रशासनिक विषय व ग्रामीण विकास का कोर्स शामिल है। इससे विद्यार्थी सरकार की कार्य शैली के बारे में जानकारी जुटाने के अलावा कोर्स से जुड़ी चीजों को भी संग्रह करने का कार्य करेंगे। इस प्रतिनिधि मंडल में उत्तर प्रदेश, दिल्ली, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, पंजाब, केरल, राजस्थान के अलावा बिहार के विद्यार्थी शामिल हैं।

जिला कारागार में स्पेशल लोक अदालत का हुआ आयोजन

करनाल। मुख्य दंडाधिकारी एवं सचिव, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, करनाल सुश्री जसबीर कौर ने बुधवार को जिला कारागार करनाल स्पेशल जेल लोक अदालत का आयोजन किया। जिसमें 9 अंडर ट्रायल प्रिजनर्स के केसों का चयन किया गया जिसमें 9 केसों में 9 अंडरगोन किया।

सुश्री जसबीर ने बताया कि समय-समय पर जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण करनाल के द्वारा हर माह के पहले और तीसरे बुधवार को जेल में लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कैदियों से आग्रह किया कि अगर किसी के पास उसकी केस की पैरवी करने के लिए वकील नहीं है तो वह सुपरिंटेंडेंट जिला कारागार करनाल के माध्यम से अपना प्रार्थना पत्र जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण करनाल को भेज सकता है। अथॉरिटी के द्वारा उसको पैनल अधिवक्ताओं में से किसी एक को उसके केस की पैरवी करने के लिए नियुक्त कर दिया जाएगा। सीजेएम ने बताया कि जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, बच्चों, वरिष्ठ नागरिक, अनुसूचित जाति व जनजाति या आम नागरिक जिसकी सभी स्त्रोतों से आय 3 लाख रुपये से कम है ऐसे व्यक्ति मुफ्त कानूनी सलाह या मुफ्त कानूनी सहायता पाने का हकदार है। इस अवसर पर जिला जेल कारागार के अधीक्षक अमित भादू, उप अधीक्षक सुश्री शैलाक्षी भारद्वाज उपस्थित रही।

सुश्री शैलाक्षी भारद्वाज, डिप्टी सुपरिंटेंडेंट, जिला जेल कारागार एवं जसवंत सिंह, डिप्टी सुपरिंटेंडेंट, जिला जेल कारागार ने सीजेएम को आश्वस्त किया कि हम सप्ताह में एक बार सभी कैदियों से पूछते रहते हैं कि किसी के पास कोई वकील उसके केस की पैरवी करने के लिए ना हो तो जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, करनाल के द्वारा उसे निशुल्क प्रदान किया जाएगा।

करनाल की टीम बनी उपविजेता

करनाल। पानीपत में आयोजित 39वीं हरियाणा स्टेट योग चैंपियनशिप में करनाल की टीम ऑवरऑल दूसरे स्थान पर रही। कुल आठर मेडल जीत कर करनाल का नाम पूरे हरियाणा में चमकाया। योगा एसोसिएशन जिला करनाल के सचिव व योग कोच अनिल कुमार ने बताया कि मेडल जीतने वाले सभी खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। अपने बच्चों की उपलब्धि पर अभिभावकों ने खुशी जाहिर की है। कोच अनिल कुमार ने बताया कि अलग-अलग आयु वर्गों में सुमित ने सिल्वर, गुंजन ने गोल्ड, ज्योति ने गोल्ड, अनिल कुमार ने ब्रांज, नीतिन कुमार ने गोल्ड, सरिता ने गोल्ड, राजेंद्र ने सिल्वर तथा सरस्वती ने ब्रांज मेडल जीता। उन्होंने कहा कि योग हमारे शरीर को तंदरूस्त रखता है। व्यक्ति का मनोबल बढ़ता है और तनाव मुक्त होता है। योग से ही शारीरिक और मानसिक समस्याओं का इलाज संभव है।

विजीलैंस ब्यूरो द्वारा 20,000 रुपए रिश्वत लेता पुलिस सब-इंस्पेक्टर रंगे हाथों काबू

चंडीगढ़-पंजाब विजीलैंस ब्यूरो द्वारा राज्यमें भ्रष्टाचार के विरुद्ध चल रही मुहिम के दौरान आज थाना मलौद, ज़िला खन्ना में तैनात पुलिस सब- इंस्पेक्टर जगजीत सिंह (नः 462/ खन्ना) को 20,000 रुपए रिश्वत लेने के दोष अधीन गिरफ़्तार किया गया है।

इस सम्बन्धी जानकारी देते हुये विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त पुलिस मुलाज़िम को हरदीप सिंह निवासी गाँव शेखां, तहसील पायल की शिकायत पर गिरफ़्तार किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि उक्त शिकायतकर्ता ने विजीलैंस ब्यूरो दफ़्तर लुधियाना में शिकायत दर्ज करवाई थी कि 28 सितम्बर, 2023 को उसका भाई जगतार सिंह अपने मोटरसाईकल (रजिस्ट्रेशन नंबर पीबी-10-एचवाई-4663) पर सिवल हस्पताल मलौद में नशा मुक्ति केंद्र से दवा लेने गया था। दोपहर बाद उनको पता लगा कि उसके भाई जगतार सिंह के ख़िलाफ़ थाना मलौद में नारकोटिक ड्रग्गस एंड सायकोट्रोपिक सब्टांसिस (एन. डी. पी. एस.) का मामला दर्ज किया गया। इसके बाद शिकायतकर्ता अपने गाँव वासी परमजीत सिंह के साथ थाने गया और उक्त एस. आई. को मिला, जिसने उनको बताया कि जगतार सिंह के विरुद्ध एन. डी. पी. एस. एक्ट की धारा 22 के अंतर्गत 28 सितम्बर 2023 को एफ. आई. आर. 101 दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता ने आगे दोष लगाया कि एस. आई. जगजीत सिंह ने उसे भी इस केस में फंसाने की धमकी दी और उससे रिश्वत के तौर पर पहले ही 15,000 रुपए ले चुका है। एस. आई. जगजीत सिंह ने उनको बताया कि मोटरसाईकल के बारे अभी तक केस में ज़िक्र नहीं किया गया और इस मोटरसाईकल को केस में शामिल न करने के लिए रिश्वत के तौर पर 20,000 रुपए की माँग की। शिकायतकर्ता हरदीप सिंह ने रिश्वत न देने के बारे सोच कर विजीलैंस ब्यूरो रेंज दफ़्तर लुधियाना में पहुँच करने का फ़ैसला किया। प्रवक्ता ने आगे बताया

कि प्राथमिक पूछताछ के उपरांत विजीलैंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया और एस. आई. जगजीत सिंह को दो सरकारी गवाहों की हाज़िरी में 20,000 रुपए रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों काबू कर लिया। इस सम्बन्ध में उक्त पुलिस मुलाज़िम के ख़िलाफ़ थाना विजीलैंस रेंज लुधियाना में भ्रष्टाचार रोकथाम कानून की धारा 7 अधीन एफ. आई. आर नंबर 25 तारीख़ 4 अक्तूबर 2023 को मामला दर्ज किया गया है। पकड़े गए मुलजिम को कल अदालत में पेश किया जायेगा और मामले की आगे कार्यवाही जारी है।

सभी बनो साइबर स्मार्ट बनो पुलिस ने चलाया अभियान

सोनीपत। थाना साइबर अपराध की टीम ने बुधवार को साइबर अपराध के तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों के बारे में जागृति अभियान चलाया। इसमें लोगों को छात्रों को इसकी जानकारी दी गई। प्रधानाचार्य अल्का सिरोही ने जिला पुलिस आयुक्त बी सतीश बालन के मार्गदर्शन में पुलिस टीम द्वारा साइबर अपराध के बारे में दी गई जानकारी के लिए पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

साइबर शाखा प्रभारी उप निरीक्षक कमल की टीम ने सोनीपत के गांव शाहपुर तुर्क स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विधालय में जाकर साइबर राहगिरी जागरूकता सेमिनार आयोजन कर स्कूल के छात्र-छात्राओं व स्कूल स्टाफ को साइबर अपराध इसके बचाव के बारे में बताया गया। साइबर ठगी होने पर डायल 1930 कर अपनी शिकायत रजिस्टर्ड करा कर ठगी किए गए पैसे वापस पा सकते हैं। ट्रैफिक नियमों व नशे से दूर रहने के बारे में भी बच्चों व लोगों को जागरूक किया गया। जिला पुलिस का साइबर जागरूकता अभियान लगातार जारी है। अपना पासवर्ड, ओटीपी, फोटो किसी से शेयर ना करें, कोई शंका हो तो 1930 पर फ़ोन पर संपर्क करें। थाना साइबर अपराध प्रभारी निरीक्षक राजीव की टीम ने जिला सोनीपत के सैक्टर 23 के सामुदियक केन्द्र में जाकर साइबर जागरूकता सेमिनार किया। साइबर ठगी से बचने तरीके बताए। साईबर टीम के वक्ता ने बताया कि फ्री गिफ्ट, लॉटरी लगना, बीमा पॉलिसी, वाउचर जीतने, लोन, क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने, डीलरशिप के लिए संपर्क करें जैसी कॉल और घर बैठे लाखों कमाए जैसे,

केवाईसी व अन्य बैंकिंग कार्यो के लिए आये काल आएं तो सावधान रहें। शाहपुर तुर्क में करीब 300 सदस्यों व सामुदायिक केन्द्र सैक्टर 23 सोनीपत में करीब 50 पुरुष महिलाओं को जानकारी दी गई। प्रधानाचार्य अल्का सिरोही, अरुणा, रेखा दहिया, पुनम, डॉ प्रतिभा, चैतना संधु, प्रियंका, सोनिका, सुमन व पुलिस प्रवक्ता उप निरीक्षक देवेन्द्र सिंह उपस्थित रहे।

एशियन गेम्स में पहलवान सुनील ने कांस्य पदक जीता

सोनीपत। हरियाणा के पहलवानों का दबदबा एक बार फिर दिखाई दिया जिला सोनीपत में खंड गन्नौर के गांव डबरपुर के पहलवान सुनील ने चीन के हांगझोऊ में चल रहे एशियन गेम्स में 87 किलोग्राम भारवर्ग में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक जीता है। गन्नौर और खरखौदा में खुशी का माहौल है। गांव डबरपुर के सरपंच सुनील सीला ने बताया कि अच्छा पहलवान है पदक जीतने पर पूरे गांव में खुशी का माहौल है। गांव का कोई भी बालक जब विदेश में जाकर देश का नाम रोशन करता है तो यह पूरे गांव के लिए खुशी की बात होती है। सुनील बहुत अच्छा पहलवान है। हम सभी यहां खुशी में मिठाई बांट रहे हैं। जब हमारा लाडला स्वदेश वापस आएगा तो शानदार तरीके से उसका स्वागत करेंगे। डबरपुर निवासी नितिन मलिक ने बताया कि उसके भाई सुनील को पदक मिला है हम सभी और ग्रामीण खेल प्रेमी खुशी में जश्न मना रहे हैं। इससे पहले वह इसी वर्ष रोमानिया कप में गोल्ड, अप्रैल में कजाकिस्तान के अस्ताना में हुई सीनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। दिल्ली में वर्ष 2020 में हुई सीनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता था। सुनील मलिक की मां अनीता देवी ने कहा है कि मां की ममता का अंचल बेटे के साथ रहता है जब बेटे के पदक जीतने की जानकारी उसे मिली तो बहुत खुशी हुई अपने बेटे को लिए चुरमा बनाकर खिलाऊंगी। हम तो खेत क्यार में काम करने वाले हैं। सुनील जब पांचवी में 10 साल का रहा होगा उसने मिट्?टी के अखाड़े में जाना शुरु कर दिया था। सबसे पहले निडानी में उसने कुश्ती दांव पेंच सीखने शुरु किए थे। सुनील ने खरखौदा के प्रताप अकादमी में कुश्ती का प्रशिक्षण लिया, रोहतक में मेहर सिंह अखाड़े में कुश्ती की तैयारी की। वर्ष 2018 में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक, 2019 में हुई विश्व रैंकिंग सीरीज में रजत व वर्ष 2019 में हुई सीनियर एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक जीते हैं। एक दशक से पहले सुनील मलिक के पिता अश्वनी मलिक का निधन हो चुका है। वह दिल्ली एमसीडी में कार्यरत थे। उनके निधन के बाद सुनील मलिक के बड़े भाई सुमित मलिक ने परिवार की जिम्मेदारी को संभाला है। सुनील के छोटे भाई नितिन भारतीय नौ सेना हैं।

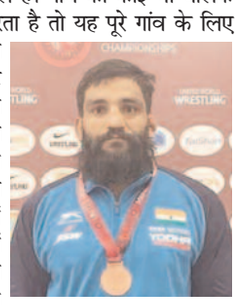

कॉमर्स एसोसिएशन ने किया इंट्रा कॉलेज उद्घोषणा प्रतियोगिता का आयोजन

करनाल। कॉमर्स एसोसिएशन, दयाल सिंह कॉलेज ने इंट्रा कॉलेज उद्घोषणा प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में सभी संकायों के 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया। उद्घोषणा के विषय थे कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भविष्य, जलवायु परिवर्तन और परिणाम, डिजिटल गोपनीयता और निगरानी, जड़ों से पंखों तक भारतीय युवा वैश्विक गतिशीलता को अपनाते हुए, राजनीति में महिला आरक्षण। कॉमर्स एसोसिएशन की अध्यक्ष डॉ. पूजा मल्होत्रा ने निर्णायकों और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने सम्मानित निर्णायकों डॉ. मुक्ता जैन, वाणिज्य विभाग और डॉ. रितु शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग का परिचय कराया। वाणिज्य विभाग की अध्यक्ष डॉ. मुक्ता जैन ने विषयों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के लिए प्रेरित किया। डॉ. रितु शर्मा ने परिणामों की घोषणा की। उन्होंने प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सुधार के क्षेत्रों पर जोर दिया ताकि वे भविष्य में बेहतर तरीके से प्रदर्शन कर सकें। परिणाम इस प्रकार हैं- भाविका (बी.कॉम ऑनर्स सेमेस्टर तीसरा) ने पहला स्थान हासिल किया, कृतिका (बी.कॉम ऑनर्स सेमेस्टर तीसरा) ने दूसरा स्थान हासिल किया, सानिया (बी.कॉम ऑनर्स 5वें सेमेस्टर) और अमनदीप (बी.कॉम 5वें सेमेस्टर) ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के अंत में प्रिंसिपल डॉ. आशिमा गक्खड़ ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए कॉमर्स एसोसिएशन को बधाई दी।

शहर को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए नगर निगम की एन्फोर्समेंट टीम ने बाजारों का पुनः किया दौरा, दिख रहा असर,

करनाल। शहर की व्यस्त सडकों व बाजारों से अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर बुधवार को नगर निगम की सफाई शाखा के प्रवर्तन दल ने बाजारों का पुनः दौरा किया। परंतु मंगलवार और आज में फरख दिखाई दे रहा था, काफी दुकानों का सामान अपनी सीमा में ही रखा मिला। इससे स्पष्ट है कि नगर निगम की सख्ताई का असर दिख रहा है। परंतु कुछ दुकानदार बार-बार समझाने के बाद भी नहीं सुधर रहे। उनसें पुनः अपील की गई है कि वह सामान को अपनी हद में ही रखें, अन्यथा उनका चालान अवश्य किया जाएगा। इसके साथ-साथ उनका सामान भी जब्त होगा, जिसके लिए दुकानदार खुद जिम्मेवार होंगे।

नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा ने बताया कि निगम का मकसद दुकानदारों के चालान काटना नहीं है, परंतु जो लोग बार-बार समझाने के बावजूद भी अपने सामान को दुकान से आगे रखेंगे, उनके चालान अवश्य किए जाएंगे। ऐसे लोगों को किसी भी सूरत में बक्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि आज के दौरे में टीम द्वारा कुछ दुकानदारों का सामान दुकान के अंदर करवाया गया है और उन्हें समझाया गया है कि उनके द्वारा ऐसा करने से बाजार में भीड़ की स्थिति उत्पन्न होती है, जिससे लोगों को काफी परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे दुकानदारों को चेतावनी देकर छोड़ा गया है, अगर वह नहीं मानतें, तो अतिक्रमण कर रही दुकानों का सामान अवश्य

जब्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम की यह कार्रवाई शहर को अतिक्रमण मुक्त करने तक जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि एन्फोर्समेंट टीम द्वारा शहर की क्लब मार्किट, पुराना बस स्टैण्ड रोड, महर्षि वाल्मिकी चौक, कर्ण गेट बाजार, सराफा बाजार, नेहरू पैलेस मार्किट तथा कुंजपुरा रोड मार्किट का दौरा किया गया है। दुकानदारों के अतिरिक्त रेहड़ी-फड़ी वालों को भी पुनः चेतावनी दी गई है कि वह सडक़ से पीछे हटकर खड़े हों। उन्होंने बताया कि जो दुकानदार या रेहड़ी-फड़ी वाला शहर की यातायात व्यवस्था के बनाने में बाधक बनेगा, उनका चालान अवश्य किया जाएगा। जो दुकानदार चालान राशि जमा नहीं करवाएगा, उसके सम्पत्ति कर बिल में जुर्माना राशि जोड़ी जाएगी।

निगमायुक्त ने बताया कि आज के दौरे में भी काफी लोग सडक़ पर वाहन खड़ा कर सामान खरीदते दिखाई दिए, उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से सडक़ पर आने-जाने वाले वाहनों को परेशानी होती है, जिससे जाम की स्थिति पैदा होती है। उन्होंने वाहन चालकों से भी पुनः अपील करते कहा कि वे अपने वाहनों को ओल्ड सब्जी मण्डी, ओल्ड एम.सी. बिल्डिंग, जरनैली कोठी क्षेत्र व राम लीला ग्राउण्ड में बनाई गई पार्किंग में ही अपने वाहन पार्क करें, सडकों पर वाहन खड़ा ना करें। दौरे में सफाई निरीक्षक मनदीप सिंह, संदीप कुमार व ऊषा रानी, सहायक सफाई निरीक्षक प्रवेश कुमार व गुलाब सिंह तथा उनकी टीम उपस्थित रही।

ग्रुप-सी के लिए प्रेफरेंस भरने वाला पोर्टल बंद

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने ग्रुप-सी में भर्ती के लिए शुरू की गई प्रेफरेंस भरने की प्रक्रिया के लिंक को बंद कर दिया है। अब तक एक लाख 30 हजार अभ्यर्थी ही अपनी प्रेफरेंस भर पाए हैं। हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन की ओर से प्रेफरेंस भरवाने के लिए 25 सितंबर को लिंक ओपन किया गया था। प्रेफरेंस भरने के लिए आयोग के द्वारा एक सॉफ्टवेयर बनाया गया है, जिसका ट्रायल आयोग पहले ही कर चुका है। हरियाणा में ग्रुप-सी के तहत 32 हजार पदों पर भर्ती को लेकर ये प्रेफरेंस भरी जानी थी। इस प्रक्रिया में कुछ उम्मीदवारों ने पेपर अपलोड करते समय कई गलतियां भी की हैं। फॉर्म का पेपर अपलोड करते समय कई अभ्यर्थी अपने हस्ताक्षर करना ही भूल गए हैं। इसको लेकर उम्मीदवारों ने एचएसएससी में अपनी शिकायत दर्ज कराई है। अभी तक लगभग 300 शिकायतें आयोग के पास आ चुकी हैं। सीईटी पास लगभग 3.2 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन कर रखा है। आयोग ने पेपर लेने से पहले उम्मीदवारों से प्रेफरेंस भरवाने का फैसला किया था। कैंडिडेट की इन शिकायतों को आयोग ने गंभीरता से लिया है। आयोग इन शिकायतों को हल करेगा। एसएसएससी की ओर से कहा गया है कि जिन उम्मीदवारों ने प्रेफरेंस भरते समय गलती की है वह इसकी सूचना जरूर दें।

गोल्फ इंडस्ट्री एसोसिएशन (जीआईए) ने गोल्फ पर दिल्ली में 5 अक्तूबर,2023 को राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन की घोषणा की: अनिल सेवलेकर

संस्कार उजाला

नई दिल्ली । गुड़गांव के डीएलएफ गोल्फ एन्ड कन्ट्री क्लब मे गोल्फ इंडस्ट्री एसोसिएशन (जीआईए) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सेवलेकर ने आज प्रेसवार्ता मे बताया कि गोल्फ के खेल पर आधारित उद्योग और खेल के दायरे, लोकप्रियता को बढ़ावा देने के लिए 5 अक्टूबर को दिल्ली में एक राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। और गोल्फ इंडस्ट्री एसोसिएशन ने आज अपने वार्षिक जीआईए गोल्फ और टर्फ शिखर सम्मेलन 2023 के लिए स्थल की भी घोषणा की। शिखर सम्मेलन 5-6 अक्टूबर को दिल्ली के प्रतिष्ठित डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में सम्मेलन का उद्घाटन एशियन के सीईओ श्री माइक सेबेस्टियन और श्रीमती कविता सिंह करेंगी। और गोल्फ, सिंगापुर ग्रेग पैटरसन, संस्थापक, ट्राइबल मॅजिक ,क्रिस ग्रे, अध्यक्ष, एएसटीएमए महिला गोल्फ एसोसिएशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूजीएआई), श्री ब्रूस मैकफी, वरिष्ठ कृषिविज्ञानी, कृषि विज्ञान, एशिया प्रशांत, आर एंड ए द्वारा किया जाएगा। अन्य मुख्य वक्ताओं में श्री ब्रिजंदर सिंह, अध्यक्ष, आईजीयू और श्री आकाश ओहरी, संयुक्त प्रबंध निदेशक, डीएलएफ होम डेवलपर्स लिमिटेड शामिल हैं। सम्मेलन की अध्यक्षता आईजीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सेवलेकर करेंगे। आईजीयू की स्थापना वर्ष 2011 में ऑक्सफोर्ड गोल्फ रिजॉर्ट के अनिरुद्ध (अनिल) सेवलेकर ने की थी, जो पीसीडी गोल्फ डिजाइन एचडीः ऑस्ट्रेलिया के श्री फिलिप रयान के साथ एसोसिएशन के संस्थापक

अध्यक्ष थे। जीआईए बनाने के लिए इसका उद्देश्य उद्योग में सभी गोल्फ कोर्स और पेशेवर विक्रेताओं को एक मंच प्रदान करना था जो देश में गोल्फ के खेल के विकास में मदद करेंगे। प्रमुख वैश्विक ब्रांडों ने इस सम्मेलन में अपनी भागीदारी की घोषणा की है। पहली बार, एक जीआईए ग्रीन्स सेक्शन बनाया गया है और ग्रीनस्किनर्स के लिए एक शैक्षिक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। ग्रीनकीपर्स का आयोजन मुख्य सम्मेलन के साथ-साथ किया जाएगा। गोल्फ कोर्स रखरखाव के विभिन्न पहलुओं पर अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिए 50 से अधिक ग्रीनकीपर ऑस्ट्रेलियाई कृषि विज्ञानी ब्रूस मैकफी द्वारा आयोजित कार्यशाला में भाग लेंगे। जीआईए के अध्यक्ष श्री अनिल से ओलेकर ने कहा, "इस वर्ष प्रतिष्ठित डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री।।। वार्षिक गोल्फ एंड टर्फ क्लब शिखर सम्मेलन की मेजबानी करना जीआईए के लिए एक बड़ा सम्मान है। दो दिवसीय शिखर सम्मेलन विचारों केआदान-प्रदान, नेटवर्किंग, चर्चा और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के संपर्क के लिए एक महान मंच होने का वादा करता है। जीआईए शिखर सम्मेलन का समर्थन करने के लिए पीजीटीआई, डब्ल्यूजीएआई, आईजीयू जैसे अन्य गोल्फ संघों का खेल को बढ़ावा देने का निश्चित उद्देश्य है। जीआईए के बारे में गोल्फ और टर्फ शिखर सम्मेलनः 1। 2 - दिवसीय बिजनेस शिखर सम्मेलन (व्यवसाय) 2। विशिष्ट ग्रीन्सकीपर्स सम्मेलन (तकनीकी) 3। गोल्फ उद्योग से संबंधित विभिन्न कंपनियों की गोल्फ प्रदर्शनी 4। ड्राइविंग रेंज डेमो दिवस और उपकरण प्रदर्शनी और बिक्री 5। जीआईए पुरस्कार, विभिन्न श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ जीआईए। पुरस्कारों के बारे में जीआईए पुरस्कार भारत में गोल्फ के क्षेत्र में उत्कृष्टता, डिजाइन, रखरखाव और समग्र अनुभव के आधार पर सर्वश्रेष्ठ गोल्फ कोर्स को मान्यता देते हैं। इसके अतिरिक्त, पुरस्कार उद्योग के पेशेवरों और सेवा प्रदाताओं के उत्कृष्ट योगदान को भी मान्यता देते हैं। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार कई वर्षों से एक वार्षिक परंपरा रही है, जो भारतीय गोल्फ बिरादरी में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और पुरस्कृत करने की जीआईए की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। पुरस्कारों को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है - मतदान श्रेणी और जूरी पुरस्कार। मतदान 1 सितंबर को शुरू हुआ और पुरस्कारों की घोषणा 6 अक्टूबर को एक भव्य समारोह में की जाएगी। हालांकि आईजीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सेवलेकर ने कहा है कि इस सम्मेलन में देश-दुनिया से बड़ी संख्या में गणमान्य लोग हिस्सा लेंगे।

शरीर के लिए कमाल है ऊंटनी का दूध

कहते हैं कि गाय-भैंस या बकरी का दूध आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है, लेकिन क्या कभी आपने ऊंटनी का दूध पीने के फायदों के बारे में सुना है अगर नहीं, तो आइए हम आपको ऊंटनी का दूध पीने के फायदे बताते हैं।

दूध आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन ऊंटनी का दूध पीने के फायदों के बारे में सुनकर आप दंग रह जाएंगे। जी हां ऊंटनी का दूध न सिर्फ आपको सेहतमंद बनाता है, बल्कि आप किसी बीमारी से पीड़ित हैं, तो दवा के रूप में काम करता है। शायद आपको यकीन न हो, लेकिन इसका एक उदाहरण है- राजस्थान के टोंक गांव में रहने वाले हनुमान बलि। जिसने अपनी बीमारी में कई सालों दवा पर लांखों रुपए खर्च किए, लेकिन किसी दोस्त की सलाह पर उसने ऊंटनी का दूध पीना शुरू किया और उसकी बीमारी 1 महीने में ही आसानी से कटने लगी।

ऊंटनी के दूध में ऐसे शक्तिशाली गुण होते हैं, जो आपकी कई जटिल बीमारियों को ठीक करने में मदद कर सकते हैं, क्योंकि ऊंटनी के दूध में सभी जरूरी पोषक तत्व जैसे- प्रोटीन, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट, प्राकृतिक शुगर, फाइबर, लैक्टिक अम्ल, आयरन, मैग्निशियम, अल्फा हाइड्रोक्सिल अम्ल और कई विटामिन्स पाए जाते हैं। यह सभी पोषक तत्व शरीर को स्वस्थ और सुंदर रखने में मदद करते हैं। आइए हम आपको यहां ऊंटनी का दूध पीने के स्वास्थ्य लाभ बताते हैं।

डायबिटीज कंट्रोल करने में मददगार

यदि आप कम से कम 1 या 2 महीने भी नियमित रूप से ऊंटनी का दूध पीते हैं, तो यह आपके ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल कर डायबिटीज को नियंत्रित करने में मददगार है। ऊंटनी के दूध में फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो कि ब्लड शुगर को कंट्रोल करने और आपको एर्नेजेटिक रखने में सहायक है। ऊंटनी के एक लीटर दूध में कम से कम 52 से 55 यूनिट इंसुलिन की मात्रा होती है, जो अन्य किसी पशु के दूध में नहीं पाई जाती। इसलिए कई वर्षों से इसका इस्तेमाल डायबिटीज को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है, लेकिन इसके बारे में कम ही लोग जानते हैं।

एलर्जी में फायदेमंद

यदि आपको या आपके बच्चे को फूड एलर्जी या कोई अन्य तरह की एलर्जी है, तो आप ऊंटनी का दूध पिएं। ऊंटनी का दूध एंटी-बैक्टीरियल और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर है। इसमें एलर्जी के साथ विभिन्न रोगों से लड़ने की क्षमता होती है। इसमें मौजूद इम्युनोग्लोबुलिन की उपस्थिति एलर्जी और उनके लक्षणों को कम करने में मददगार है।

वजन घटाना है तो पीएं ऊंटनी का दूध

आजकल तमाम लोग वजन घटाने की कोशिश में लगे रहते हैं। अगर आप भी उनमें से एक हैं, तो आप ऊंटनी का दूध पिएं। यह आपकी वेअ लॉस जर्नी का बेस्ट फ्रेंड बन सकता है, क्योंकि ऊंटनी का दूध प्रोटीन से भरपूर होने के साथ वसा में कम होता है, जिसका मतलब है कि यह आपको एक्सट्रा वेट को कम करने में और बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करता है।

ऑटिज्म का रामबाण इलाज

ऊंटनी का दूध ऑटिज्म का रामबाण इलाज है। जी हां ऊंटनी का दूध पीने से ऑटिस्टिक लक्षणों पर रोक लगाने में मदद मिलती है। ऊंटनी के दूध में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुणों की वजह से ऑटिज्म को खत्म करने में मदद मिल सकती है। एक अध्ययन में भी इस बात का जिक्र है कि ऊंटनी का दूध मंद बुद्धि बच्चों के लिए अमृत के समान है और यह ऑटिज्म के लक्षणों में सुधार कर सकता है।

मजबूत हड्डियों का सीक्रेट

ऊंटनी का दूध आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता। इसमें मौजूद कैल्शियम हड्डियों को मजबूती प्रदान कर सकता है और जोड़ों के दर्द से परेशान लोगों को राहत दिला सकता है।

त्वचा के लिए बेहतर

ऊंटनी का दूध आपके खून को साफ करने, लिवर को स्वस्थ रखने और पाचन को बढ़ावा देने के साथ आपकी त्वचा में निखार लाने में मदद करता है। ऊंटनी के दूध में अल्फा हाइड्रोक्सिल अम्ल होता है, जो त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। यह आपकी त्वचा को सॉफ्ट बनाने के साथ त्वचा पर झुर्रियों और फाइन लाइन्स को रोकता है।

क्यों तेजी से लोग हो रहे कैंसर के शिकार? एक साल में तीन गुना बढ़े केस

देशभर में सामान्य कैंसर समेत ओरल, सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। नेशनल हेल्थ प्रोफाइल, 2019 द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक एनसीडी क्लीनिक्स ने 2017 से लेकर 2018 के बीच कैंसर के मामलों की पहचान की है। ये रिपोर्ट बताती है कि इस एक साल के अंतराल में कैंसर के मामले 324प्रतिशत यानी तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ गए हैं।

रिपोर्ट की मानें तो पिछले साल एनसीडी क्लीनिक्स में 615 करोड़ लोगों ने कैंसर की जांच करवाई थी, जिसमें 116 लाख लोगों में सामान्य कैंसर पाया गया था। यानी लोगों में सामान्य कैंसर के अलावा भी दूसरे प्रकार के कैंसर तेजी से फैल रहे हैं।

जबकि साल 2017 में कैंसर के कुल 39,635 मामले ही देखने को मिले थे। 2017 से लेकर 2018 के बीच एनसीडी क्लीनिक्स में आए कैंसर पीड़ितों की संख्या भी दोगुनी हुई है।

पहले वर्ष जहां कैंसर के कुल 315 करोड़ मामले देखने को मिले थे, वहीं अगले वर्ष वो बढ़कर 616 करोड़ हो चुके थे। विशेषज्ञों का मानना है कि लोगों के बदलती लाइफस्टाइल, स्ट्रेस, खान-पान की आदतें, एल्कोहल और तंबाकू का सेवन इसकी बड़ी वजह रहा है।

कैंसर के सबसे ज्यादा मामले गुजरात से सामने आए हैं। साल 2017 में गुजरात में 3,939 कैंसर पीड़ितों की पुष्टि हुई थी। वहीं, 2018 में ये संख्या बढ़कर 72,169 हो गई। यानी गुजरात में कॉमन कैंसर के नए मामले 68,230 बढ़े हैं। गुजरात के बाद सबसे खराब हाल कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल का रहा है।

रेसिपी

मेथी चमन

सामग्री

- मेथी पत्ता: 1 कप
- पालक : 1 कप
- कटा हुआ पनीर: 150 ग्राम
- हरी मिर्च: 2
- बारीक कटा प्याज: 1
- जीरा: 1 चम्मच
- सरसों तेल: 3 चम्मच
- हल्दी पाउडर : 1/4 चम्मच
- धनिया पाउडर : 1 चम्मच
- गरम मसाला पाउडर : 1/2 चम्मच

विधि

एक पैन में पानी उबालें। उसमें थोड़ा-सा नमक डालें। गैस ऑफ करें। पालक एवं मेथी को अच्छी तरह से साफ करके धो लें। उबले हुए पानी में पालक व मेथी डालें। पैन को पांच मिनट के लिए ढककर छोड़ दें। पालक व मेथी को पानी से निकालें और तुरंत ठंडे पानी से धो लें। आधा कप गर्म पानी बाद में इस्तेमाल के लिए बचाकर रख लें। ब्लेंडर में दोनों साग व हरी मिर्च डालें व पेस्ट तैयार कर लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें जीरा एवं प्याज डालें। प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। हल्दी पाउडर और धनिया पाउडर डालकर तीन से चार मिनट तक भूनें। अब साग वाली प्यूरी और नमक को कड़ाही में डालकर मिलाएं। मध्यम आंच पर चार से पांच मिनट तक पकाएं। बचा हुआ गर्म पानी कड़ाही में डालकर मिलाएं। दो-चार मिनट और पकाएं। पनीर के टुकड़े और गरम मसाला पाउडर डालकर मिलाएं। कड़ाही को ढककर तीन-चार मिनट तक सब्जी को और पकाएं। गैस ऑफ करें। रोटी या पराठे के साथ सर्व करें।

पालक कढ़ी

सामग्री

- पालक : 1/2 किलो
- दही: 1 कटोरी
- बेसन: 4 चम्मच
- मेथी दाना: 8 चम्मच
- हींग चुटकी भर
- सौंफ : 1 चम्मच
- सूखी लाल मिर्च: 4
- नमक : स्वाद के अनुसार
- हल्दी: 1/2 चम्मच
- तेल: 2 चम्मच

विधि

पालक को साफ करके धो लें और बारीक काट लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें हींग, मेथी, लाल मिर्च, सौंफ और हल्दी डालें। एक दो मिनट बाद कड़ाही में पालक डालें और मध्यम आंच पर भून लें। इस बीच एक बर्तन में दही, बेसन और पानी डालकर अच्छी तरह से फेंटें। जब पालक का पानी सूख जाए तो बेसन वाला यह मिश्रण कड़ाही में डालें और लगातार चलाते हुए मध्यम आंच पर कढ़ी को पकाएं। नमक डालकर मिलाएं। जब कढ़ी गाढ़ी हो जाए तो गैस बंद करें। चावल के साथ गर्मागर्म पेश करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा

आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2967

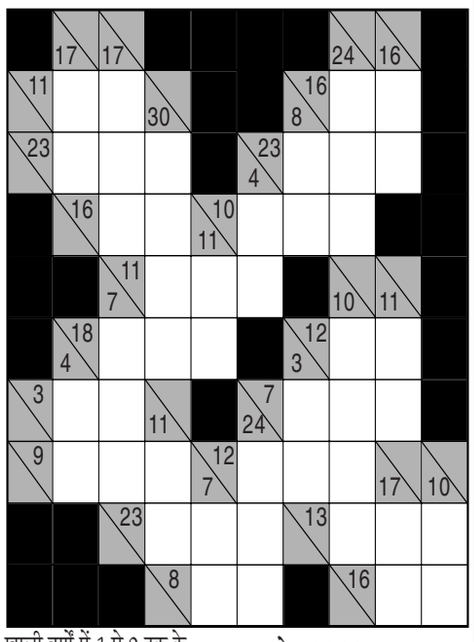

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

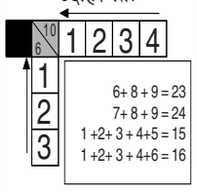

काकुरो - 2966 का हल

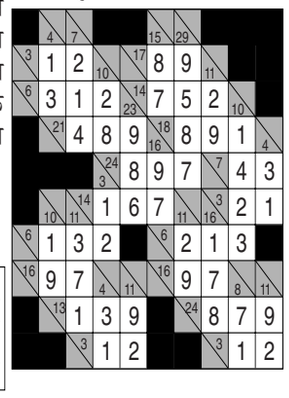

लॉफिंग ज़ोन

रमन और चमन दवा बेचने का काम करने लगे।

चमन- यह दवा ले लीजिए, इसे खाने वाला सदा जवान रहता है, कभी बूढ़ा नहीं होता। मुझे देखिए अभी मेरी उम्र अभी सिर्फतीन सौ साल है।

दुकानदार (पास खड़े व्यक्ति से बोला)- क्या तुम्हें ये तीन सौ साल के लगते हैं।

रमन- यह मैं कैसे बताऊँ! मैं तो इनके साथ डेढ सौ साल से हूँ।

□ □ □

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2967

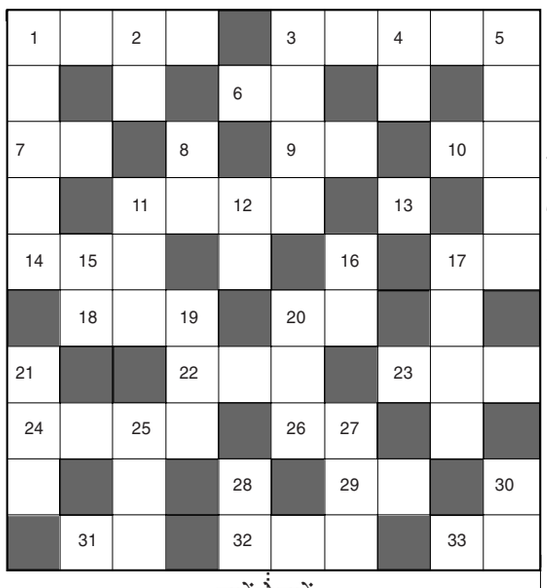

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन: मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उगंली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमुता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन ?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2966

बं	दि	नी		पु		गैं	ब	ल	र
ध		ल	ल	का	र		हा		वी
न	सी	म		र		प	र	वा	ना
	मा		श		सु	र		सु	
आ		आ	शि	क		दे	वी		ह
ह	मे	श		ह	व	स		स	त्या
	ला		आ	र	जू		खे	ल	
बे		ला	वा		द	स		मा	या
खु			श	जू		फ	र्ज		श
दी	वा	ने		ली	ड	र		टी	ना

सूडोकु -2967

			4		6			
					2	7		
2	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	1
		2	1			3	4	9
			3		4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2966 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

शब्द पहेली - 2967

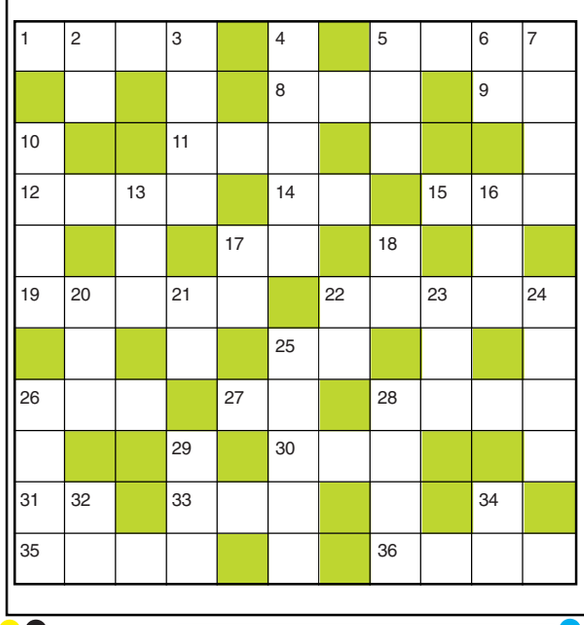

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली -2966 का हल

	सो	नि	या	गां	धी		म	ह्य	न	ता
खा	ना		प		र	क्ष	क		म	ल
ना		म	न	सि	ज		र	ग		मे
ब	ला	त			वा	दा		म	ह	ल
दो		दा		क	ला		आ		व	
श	य	न	क	क्ष		दि	शा	ही	न	ता
	म		प		ह	ल		न		क
का	ज	ल		शा	म			त	ह	त
म		त	य		व	फा	दा	र		व
चो	र		की	म	त		म		का	र
र	म	जा	न		न	य	न	ज	ल	

पुराने रिलेशनशिप को लेकर रवीना ने बच्चों से कुछ नही छुपाया

-एक्ट्रेस बोली-आज नहीं तो कल उन्हें पता चलना ही था

हाल ही में बालीवु एक्ट्रेस रवीना टंडन ने बताया कि अपने पुराने रिलेशनशिप को लेकर उन्होंने बच्चों से कुछ भी नहीं छुपाया है। हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान रवीना टंडन ने कहा कि मेरे बच्चों को मेरे पास्ट रिलेशनशिप के बारे में सब पता है। मैंने उनसे कुछ भी नहीं छुपाया है। आज नहीं तो कल उन्हें ये पता चलना ही था। उस जमाने में जिस तरह की हमारी मीडिया हुआ करती थी, हो सकता था कि वह इससे भी बदतर कुछ पढ़ते। एक्ट्रेस ने आगे कहा, पहले और अब की मीडिया में बहुत अंतर आ चुका है। पहले येलो जर्नलिज्म बहुत हुआ करता था। उस जमाने में बिना किसी सबूत के मीडिया कुछ भी लिख देती थी। जो सेलेब्स एडिटर्स की चापलूसी करते थे, मीडिया उनके बारे में अच्छा लिखा करती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब सोशल मीडिया की वजह से सारी सच्चाई दुनिया के सामने हैं। 90 दशक की मैगजीन्स में मेरे बारे में काफी कुछ गलत लिखा जा चुका है। मैंने कई बार इसपर सवाल भी उठाया है।

वहीं रवीना टंडन की लव लाइफ की बात करें तो एक्ट्रेस काफी लंबे समय तक एक्टर अक्षय कुमार को डेट कर चुकी हैं। दोनों की सगाई भी हो चुकी थी, लेकिन बाद में दोनों अलग हो गए थे। लाइफ में शिल्पा शेट्टी की एंट्री के बाद अक्षय ने रवीना से रिश्ता खत्म कर लिया था। एक्टर से मिले धोखे के बाद रवीना बुरी तरह से टूट गई थीं। एक्ट्रेस रवीना टंडन गुजरे जमाने की एक मशहूर एक्ट्रेस हैं। एक जमाना था जब बी-टाउन की गलियारों में अक्षय कुमार और रवीना के अफेयर के खूब चर्चे थे।

बॉक्स ऑफिस पर कंगना की चंद्रमुखी 2 की आय ढलान पर

बॉक्स ऑफिस पर आगे बढ़ने की पूरी कोशिश कर रही कंगना रनोट की फिल्म चंद्रमुखी 2 को रिलीज हुए एक हफ्ते होने को हैं। हालांकि, बिजनेस के मामले में चंद्रमुखी 2 पीछे चल रही है। चंद्रमुखी 2 में कंगना रनोट के साथ लीड रोल में राघव लॉरेंस हैं। फिल्म का हिंदी से ज्यादा साउथ में दबदबा है, क्योंकि ओरिजिनल फिल्म में साउथ स्टार्स ने लीड रोल प्ले किया था। चंद्रमुखी 2 ने रिलीज के दिन ठीक-ठाक शुरुआती की। वहीं, अब आगे बढ़ने के लिए फिल्म को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। यहां तक कि चंद्रमुखी 2 अब तक 50 करोड़ का करीब भी नहीं पहुंच पाई, जबकि इसके साथ रिलीज हुई फुकरे3 5 दिनों में अपे?क्षित व्यवसाय कर 50 करोड़ की आय अ?र्जित कर ली।

28 सितंबर को रिलीज हुई चंद्रमुखी 2 ने ओपनिंग डे पर सवा आठ करोड़ का बिजनेस किया था। इसके बाद तो वीकेंड होने के बावजूद फिल्म का कलेक्शन लुढ़कता चला गया। सोमवार तक चंद्रमुखी 2 ने 4 से 6 करोड़ के बीच बिजनेस किया। वहीं, मंगलवार को बिजनेस में और गिरावट आई। चंद्रमुखी 2 के बीते दिन के कलेक्शन की ओर नजर डाले तो शुरुआती आकड़ों के अनुसार, फिल्म ने ज्यादा अच्छा बिजनेस नहीं किया। सूत्रों के मुताबिक, चंद्रमुखी 2 ने 3 अक्टूबर को महज 2 करोड़ रुपये कमाए। इसके साथ ही रिलीज के 6 दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का लाइफटाइम नेट कलेक्शन 31 करोड़ पहुंच गया है।

उल्लेखनीय है ?कि चंद्रमुखी 2 तमिल की ब्लॉकबस्टर हॉरर कॉमेडी फिल्म चंद्रमुखी का सीक्वल है। ओरिजिनल फिल्म में रजनीकांत और ज्योतिका ने मुख्य भूमिका निभाई थी। चंद्रमुखी 2 पहले 15 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन तकनीकी दिक्कतों के कारण रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया। बीच में ये भी खबर आई कि शायद चंद्रमुखी 2 हिंदी में रिलीज न हो, लेकिन अंत में मेकर्स ने सारी अफवाहों को दूर करते हुए फिल्म की रिलीज का एलान कर दिया। चंद्रमुखी 2 का म्यूजिक ऑस्कर विनर एम एम कीरावानी ने तैयार किया है।

'तेजस' में कंगना को देखने के लिए उत्साहित हैं विद्युत जामवाल

अपकमिंग फिल्म 'तेजस' का टीजर सोमवार को गांधी जयंती के अवसर पर जारी किया गया। बॉलीवुड एक्शन स्टार विद्युत जामवाल ने फिल्म में एक्ट्रेस कंगना रनौत को देखने के लिए उत्साह व्यक्त किया। विद्युत ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर टीजर साझा किया और लिखा, 'इसे देखने के लिए उत्साहित हूं।' 'विद्युत के पोस्ट को दोबारा शेयर करने के बाद कंगना ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर हाथ जोड़ने वाली इमोजी शेयर कर जवाब दिया। इस साल की शुरुआत में, कंगना ने साझा किया था कि वह विद्युत के साथ काम करना चाहती हैं और कहा, 'किसी को हमें कास्ट करना चाहिए...'कंगना ने 2013 में इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी वीक में ग्लैमरस एक्ट्रेस और विद्युत को एक साथ रैंप पर चलते हुए एक वीडियो साझा किया था। फैन पेज से थ्रोबैक वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा था, 'अच्छी जोड़ी... किसी को हमें किसी एक्शन फिल्म में कास्ट करना चाहिए।' 'तेजस' की बात करें तो अपकमिंग फिल्म का टीजर सोमवार को जारी किया गया। 'तेजस' एक देशभक्ति एक्शन फिल्म है और इसमें कंगना तेजस गिल की मुख्य भूमिका में हैं, जो देश के दुश्मनों से मुकाबला करने के लिए तैयार है। वॉइस-ओवर में कंगना के दमदार वर्ड फेम है और वह कहती हैं, 'जरूरी नहीं कि बातचीत होनी चाहिए। जंग के मैदान में सिर्फ जंग होनी चाहिए।' आरएसवीपी द्वारा निर्मित, फिल्म को सर्वेश मेवाड़ा द्वारा लिखा और निर्देशित किया गया है और रोनी स्क्रूवाला द्वारा निर्मित किया गया है। यह फिल्म 27 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

विज्ञापन में 'ये दुकान पर नहीं मिलने वाला' कहकर फंसे अमिताभ बच्चन

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अपने एक विज्ञापन को लेकर विवादों में घिर गए हैं। बिग बी ने यह विज्ञापन ऑनलाइन रिटेल पोर्टल फ्लिपकार्ट के लिए किया था। इस विज्ञापन में अमिताभ को 'ये दुकान पर नहीं मिलने वाला...' कहना भारी पड़ गया है। स्मार्टफोन रिटेलर्स ने अमिताभ बच्चन वाले इस विज्ञापन की आलोचना की है। इसे लेकर अमिताभ के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई गई है। स्मार्टफोन रिटेलर्स ने आरोप लगाया है कि यह ऐड खरीदारों को गुमराह कर रहा है। ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन ने इस मुद्दे पर स्मार्टफोन ब्रांड्स को एक लेटर लिखा है। वहीं सीएआईटी ने कंपनी और अमिताभ के खिलाफ सीसीपीए में झूठा दावा करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने इस विज्ञापन को देश के छोटे व्यापारियों के खिलाफ बताया है। साथ ही विज्ञापन को वापस लेने की मांग की है। कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने सीसीपीए से पेनल्टी लगाने का अनुरोध किया है। बता दें कि फ्लिपकार्ट पर 'बिग बिलियन डेज सेल' शुरू होने वाली है। इस वजह से कंपनी के कई विज्ञापन वायरल हो रहे है। वहीं अमिताभ के विज्ञापन पर विवाद होने के बाद कंपनी ने अपने यूट्यूब चैनल पर इसे प्राइवेट कर दिया है।

स्क्रिप्ट पसंद नहीं आई तो प्रियंका ने ठुकराई फिल्म जी ले जरा

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा को साल 2021 में अनाउंस हुई मोस्ट अवेडेट फिल्म जी ले जरा की स्क्रिप्ट पसंद नहीं आई तो उन्होंने इस फिल्म को ठुकरा दिया था। हालांकि इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था, लेकिन फिर 2023 में एक खबर आई, जिसने फैंस को निराश कर दिया। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म को डेट इश्यू की वजह से टाल दिया गया है। फरहान अख्तर ने भी इस खबर की पुष्टि कर दी थी। मगर अब वजह कुछ और ही सामने आ रही है। अब कहा जा रहा है कि प्रियंका को फिल्म की स्क्रिप्ट पसंद नहीं आई थी, इसलिए मूवी टाली गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म टलने की वजह प्रियंका चोपड़ा हैं। उन्हें जी ले जरा की स्क्रिप्ट पसंद नहीं आई, जिसकी वजह से एक्ट्रेस ने फिल्म में काम करने से मना कर दिया। प्रियंका अपनी बहन परिणीति चोपड़ा की शादी के लिए भारत आने वाली थी और लगे हाथ फिल्म भी साइन करने वाली थी, लेकिन क्रिएटिव डिफ्रेंसेस की वजह से बात नहीं बनी।

बताया जा रहा है कि प्रियंका चोपड़ा के इनकार करने के बाद अब फरहान अख्तर को अपनी फिल्म को बनाने में और समय लगने वाला है। अब वह कहानी को नए ढंग से पेश करेंगे, क्योंकि कहानी थोड़ी पुरानी हो गई है। फिल्म को लेकर पहले ही काफी देरी हो चुकी है। इसलिए मेकर्स फिल्म की कहानी इंट्रेस्टिंग बनाने पर काम कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार फिल्म को फ्लोर पर आने में दो साल का और वक्त लग सकता है। एक्टर-डायरेक्टर फरहान अख्तर ने कहा था कि हॉलीवुड में अभिनेताओं की हड़ताल की वजह प्रियंका चोपड़ा डेट को लेकर थोड़ा उलझन में हैं।

माधुरी दीक्षित को ट्रिब्यूट देंगी सनी लियोनी

हाल ही में फिल्म प्रेमियों को एक शानदार सरप्राइज मिला जब अभिनेत्री सनी लियोनी के नवीनतम प्रोजेक्ट में शामिल एक अंदरूनी सूत्र ने उनके आगामी गाने के बारे में संकेत दिया। चर्चा तब तेज हो गई जब सूत्र ने खुलासा किया कि सनी लियोनी एक प्रसिद्ध डांस नंबर को फिर से रीक्रिएट करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं, जिसे कभी प्रतिष्ठित माधुरी दीक्षित ने प्रस्तुत किया था।

काफी इंतजार के बाद अब सनी लियोनी के इस गाने का टीजर सामने आ गया है। इस गाने का नाम 'मेरा पिया घर आया 2.0' है। यह गाना मूल रूप से 1995 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'याराना' में दिखाया गया था, जिसे बॉलीवुड प्रशंसकों ने कई सालों तक पसंद किया।

इस गाने का टीजर शेयर करते हुए सनी लियोनी ने लिखा, 'इसे दुनिया के साथ साझा करते हुए बहुत गर्व महसूस हो रहा है। माधुरी दीक्षित के जबरदस्त गाने का रीमेक बनाना बहुत सम्मान की बात है। 'मेरे पिया घर आया 2.0' का टीजर अब रिलीज हो गया है।'

यह माधुरी और सनी दोनों के प्रशंसकों के लिए पुरानी यादों और उत्साह से भरा क्षण है। सनी इस प्रतिष्ठित गाने में अपने शानदार डांस परफॉरमेंस से अपने प्रशंसकों को सरप्राइज करने के लिए तैयार हैं, जिसका टाइटल 'मेरा पिया घर आया 2.0' है। प्रतिभाशाली नीति मोहन ने इस गाने को अपनी आवाज़ दी है।

मशहूर कोरियोग्राफर विजय गांगुली ने इस डांस नंबर को दोबारा बनाया है, जिसमें अनु मलिक के सदाबहार संगीत के साथ माधुरी दीक्षित के कामुक आकर्षण का मिश्रण है। यह गाना मूल रूप से प्रसिद्ध कोरियोग्राफर सरोज खान द्वारा कोरियोग्राफ किया गया है।

इस रीमेक का रिदम और प्रभावशाली गीत हर किसी को नाचने पर मजबूर कर देगा। सनी लियोनी की असाधारण प्रतिभा और आकर्षण वास्तव में इस गाने में सामने आता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011